RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 279 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 08-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 नियुति प्रक्रिया में अब नहीं चलती सिफारिश : आदित्यनाथ

6 चुनाव हारने के बाद ममता दीदी की ओछी राजनीति

7 नोरा फतेही ने महिला आयोग के सामने मांगी माफी

चुनावी खबर

ओडिशा सरकार ने भगवान जगन्नाथ को समर्पित टीवी चैनल शुरू करने की योजना बनायी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार भगवान जगन्नाथ को समर्पित एक टेलीविजन चैनल शुरू करने पर विचार कर रही है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने दिन में एक बैठक की अध्यक्षता की, जहां श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी समेत वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस प्रस्ताव पर चर्चा की गई। हरिचंदन ने कहा, भगवान जगन्नाथ सभी उड़िया लोगों के अधिष्ठाता देवता और विश्व के सबसे प्रिय भगवान हैं। वह अनगिनत लोगों के हृदयों में वास करते हैं, उनके लिए एक समर्पित टेलीविजन चैनल स्थापित करने पर सकारात्मक चर्चा हुई। पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर विधि विभाग के अधीन आता है।

क्वालकॉम ने स्मार्टफोन के लिए पेश किए नई पीढ़ी के चिपसेट

नई दिल्ली/भाषा। मेमोरी चिप की लागत बढ़ने से स्मार्टफोन की औसत कीमत में हो रही वृद्धि से जुड़ी चिंताओं के बीच प्रौद्योगिकी कंपनी क्वालकॉम ने मिड-प्रीमियम और शुरुआती स्तर के स्मार्टफोन के लिए बृहस्पतिवार को नई पीढ़ी के चिपसेट पेश किए। क्वालकॉम ने स्मार्टफोन के लिए स्नैपड्रैगन 6 जेन 5 और स्नैपड्रैगन 4 जेन 5 चिपसेट पेश किए जो बेहतर कनेक्टिविटी, गेमिंग अनुभव, प्रदर्शन और बैटरी लाइफ को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हैं। क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज के मोबाइल हैंडसेट खंड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक क्रिस पैट्रिक ने कहा कि मोबाइल उद्योग इस समय चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि मेमोरी चिप की आपूर्ति सीमित होने से फोन की लागत बढ़ रही है, जबकि उपभोक्ता अधिक बेहतर तकनीक एवं मूल्य की उम्मीद कर रहे हैं।

चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को भ्रष्टाचार के मामले में मृत्युदंड

बीजिंग/भाषा। चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्रियों वी फेंघे और ली शांगफू को बृहस्पतिवार को भ्रष्टाचार के आरोपों में दो साल की राहत के साथ मौत की सजा सुनाई गई। आधिकारिक मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार चीन की सैन्य अदालत ने उन्हें अलग-अलग सजा दी। एजेंसी ने अदालत के फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि फेंघे को रिश्वत लेने के मामले में दोषी ठहराया गया, वहीं शांगफू को रिश्वत लेने और देने दोनों के मामले में गुनहगार करार दिया गया।

08-05-2026	09-05-2026
सूर्यास्त 6:25 बजे	सूर्योदय 5:45 बजे

BSE	NSE
77,844.52	24,326.65
(-114.00)	(-4.30)

सोना	चांदी
15,754 रु.	261,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदहाल बंगाल

बंगाल हुआ बदहाल जहां,
बदले का है बदलाव।
हर तरफ खून के हैं छींटे,
कर रहे दिलों में घाव।
ममता के सैनिक हुए क्रूर,
चल रहे सियासी दाँव।
हिंसा प्रतिहिंसा से डगमग,
है लोकतंत्र की नाव।।

'ऑपरेशन सिंदूर ने संदेश दिया कि कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। भारतीय सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और यह मिशन तो बस एक शुरुआत है।

ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूरे होने पर भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के सैन्य अभियानों के प्रमुखों ने जयपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऑपरेशन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस अभियान को सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को दंडित करने के वास्ते पिछली आधी सदी में भारत का सबसे व्यापक सैन्य अभियान बताया गया।

इस ऑपरेशन के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाने वाले सेना के तत्कालीन सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं था, यह तो बस एक शुरुआत है।''

घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने अपनी पुरानी रणनीतियों से हटकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) और पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार स्थित आतंकवादी ढांचों को बेहद समन्वित तरीके से निशाना बनाया।

उन्होंने कहा कि यह अभियान हमारे देश के संकल्प, जिम्मेदारी और रणनीतिक संयम का प्रतीक था। इसे सटीकता, संतुलन और स्पष्ट उद्देश्य के साथ अंजाम दिया गया। उन्होंने कहा, ''भारत अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा निर्णायक, पेशेवर और अत्यंत जिम्मेदारी के साथ करेगा।''

पश्चिम बंगाल: राज्यपाल ने विधानसभा भंग की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर एन रवि ने राज्य विधानसभा को उसका कार्यकाल पूरा होने के बाद सात मई से भंग कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर फैसले की घोषणा की गई। मई 2021 में वर्तमान विधानसभा का गठन किया गया था जब राज्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी थी। हाल ही में संपन्न हुए दो चरणों के चुनावों के बाद, निवर्तमान विधानसभा को भंग किया जाना उसके कार्यकाल की औपचारिक समाप्ति का प्रतीक है। संसदीय कार्य विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की। विधानसभा के भंग होने के साथ ही राज्य मंत्रिमंडल का भी अस्तित्व समाप्त हो गया, जिससे ममता बनर्जी का मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल प्रभावी रूप से खत्म हो गया। हालांकि, परंपरा से हटकर बनर्जी ने विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी टीएमसी की भाजपा से हार के बाद इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया था। बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्हें और उनकी पार्टी को धांधली के जरिए हराया गया था।

तमिलनाडु में सरकार बनाने की रस्साकशी :

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा-

'विजय के पास बहुमत नहीं'

टीवीके ने वाम दलों से माँगा समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में सत्ता का सस्पेंस गहरा गया है। विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख और अभिनेता विजय ने गुरुवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात की। हालांकि, राजभवन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि टीवीके के पास फिलहाल सरकार बनाने के लिए जादुई आंकड़ा नहीं है। राज्यपाल आर्लेकर और विजय के बीच दो दिनों में यह दूसरी मुलाकात थी। राज्यपाल ने बैठक के दौरान समझाया कि टीवीके के पास विधानसभा में सरकार गठन के लिए आवश्यक बहुमत (118 सीटें) अभी तक मौजूद नहीं है। 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके ने 108 सीटें जीती हैं। कांग्रेस के 5 विधायकों के समर्थन के बावजूद विजय बहुमत के आंकड़े से 5 सीटें पीछे हैं।

सत्ता की दहलीज तक पहुँचने के लिए टीवीके ने अब छोटे दलों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। पार्टी के संयुक्त महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार ने गुरुवारको भाकपा (सीपीआई) और माकपा (सीपीआईएम)के प्रदेश कार्यालयों का दौरा किया और समर्थन के लिए औपचारिक पत्र सौंपे। टीवीके ने वाम दलों को सरकार में शामिल होने (सत्ता में हिस्सेदारी) का विकल्प भी दिया है।

माकपा सचिव पी. शनमुगम और भाकपा सचिव एम. वीरपांडियन ने कहा है कि वे शुक्रवार तक इस पर अपना रुख स्पष्ट करेंगे। वहीं थोल थिरुमावलवन ने संकेत दिया है कि वाम दलों के फैसले के बाद उनकी पार्टी भी अपनी रणनीति तय करेगी। जहाँ एक तरफ जोड़-तोड़ की राजनीति जारी है, वहीं कांग्रेस, वाम दलों और वीसीके ने राज्यपाल की आलोचना की है। इन दलों का तर्क है कि सबसे बड़े दल के नाते विजय को सरकार बनाने का न्योता मिलना चाहिए था।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए निर्यात बढ़ाने की जरूरत : शिवराज

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने, रोजगार सृजित करने और विदेशी मुद्रा कमाने के लिए भारत को फल और सब्जियों का निर्यात बढ़ाना होगा।

चौहान ने लखनऊ में दो दिवसीय 'फ्रूट होराइजन 2026' कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन फलों का उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुधारने और प्रसंस्करण के मूलभूत ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा, ''लखनऊ में दो दिवसीय 'फ्रूट होराइजन 2026' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य फलों का उत्पादन बढ़ाना, गुणवत्ता सुधारना और खाद्य प्रसंस्करण की गतिविधियों को मजबूत करना है।''

मंत्री ने कहा कि भारत कई तरह के फलों, खासकर आम का एक प्रमुख उत्पादक है। उन्होंने कहा, ''हम जिस मात्रा और गुणवत्ता के आम पैदा करते हैं उसकी दुनिया में कोई बराबरी नहीं है। चाहे आम हों, अंगूर हों, केले हों या लीची, हम इनके प्रमुख उत्पादकों में शामिल हैं। हालांकि हमारा निर्यात अब भी काफी कम है।''

भारत-वियतनाम को अपने संबंधों को और प्रगाढ़ करना चाहिए : राष्ट्रपति लाम

मुंबई/भाषा। वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम ने बृहस्पतिवार को वैश्विक स्तर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आगमन जैसे ''बड़े बदलावों'' के मद्देनजर वियतनाम और भारत के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ करने की वकालत की।

लाम ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं का पुनर्निर्माण, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उदय, हरित

परिवर्तन और आर्थिक स्वायत्तता की बढ़ती मांगें दुनिया में हो रहे गहन परिवर्तन हैं।

लाम ने यहां भारत-वियतनाम व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा, ''ये घटनाक्रम वियतनाम और भारत के लिए आर्थिक सहयोग को मजबूत बनाने के लिए ऐतिहासिक अवसर देते हैं और साथ ही साथ नई मूल्य शृंखलाओं में रणनीतिक एकीकरण की ओर अग्रसर होने के अवसर भी प्रदान करते हैं।''

भारत की राजकीय यात्रा पर आए लाम ने कहा कि 2016 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी की स्थापना के बाद से वियतनाम और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंध और व्यापक हुए हैं। उन्होंने हालांकि कहा कि दोनों देश इससे कहीं अधिक कर सकते हैं।

जयशंकर ने सूरीनाम को विकास यात्रा में सहयोग का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पारामारिबो/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत सूरीनाम की विकास क्षमता को पहचानता है और उसकी प्रगति यात्रा में एक भरोसेमंद ''सहयात्री एवं भागीदार'' बना रहेगा।

जयशंकर ने संयुक्त आयोग की बैठक के बाद प्रेस से बातचीत करते हुए कहा कि भारत और सूरीनाम व्यापार, पर्यटन, डिजिटल क्षमताओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में द्विपक्षीय संबंधों के लिए ''अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य और उद्देश्य'' निर्धारित किए गए।

विदेश मंत्री 2 से 10 मई तक तीन कैरेबियायई की देशों की यात्रा पर हैं। वह बुधवार को सूरीनाम पहुंचे।

भारत द्वारा समर्थित विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए, उन्होंने हाल में पूरी हुई एक फल प्रसंस्करण इकाई और दूरदराज के क्षेत्रों में बाढ़ प्रबंधन के लिए 'प्रारंभिक चेतावनी सेवा वितरण परियोजना' पर प्रकाश डाला।

मंत्री ने कहा कि भारत और लातिन अमेरिकी तथा कैरेबियाई क्षेत्र के बीच व्यापार वर्तमान में सालाना लगभग 40 से 45 अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास है। क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी सहयोग पर उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल प्रथाओं एवं क्षमताओं में अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है क्योंकि देश ''एआई युग'' में प्रवेश कर रहे हैं।

जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता के लिए जनसहयोग जरूरी : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु (कर्नाटक)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि जनसंख्या नियंत्रण नीतियों और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के क्रियान्वयन के लिए जनसहयोग तथा दीर्घकालिक सोच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जाति आधारित राजनीति तभी समाप्त होगी जब समाज स्वयं जातिगत पहचान से ऊपर उठेगा।

भागवत ने यहां 'राष्ट्रीय विकास की उत्प्रेरक के रूप में सामाजिक समरसता' विषय पर व्याख्यान देने के बाद आयोजित संवाद कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने विभिन्न धर्मों और समुदायों के बीच सौहार्द पर जोर दिया तथा लोगों से नारेबाजी के बजाय आचरण के माध्यम से सामाजिक जीवन में समानता अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''समाज जाति को याद रखता है, इसलिए राजनीतिक नेता उसका लाभ उठाते हैं। उनका उद्देश्य वोट प्राप्त करना होता है। यदि उन्हें काम के आधार पर वोट नहीं मिलते, तो वे जाति के आधार पर वोट हासिल करेंगे।''

जनसंख्या नियंत्रण विधेयक और समान नागरिक संहिता से जुड़े एक सवाल के जवाब में भागवत ने कहा कि आरएसएस सरकार नहीं, बल्कि एक सामाजिक संगठन है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी कानून तभी सफल हो सकता है जब उसे जनता का सहयोग मिले। उन्होंने कहा, ''पहले लोगों को शिक्षित करना जरूरी है। नीति आवश्यक है, लेकिन नीति तभी सफल होगी जब जनता का सहयोग मिलेगा।'' आपातकाल के दौरान अपनाए गए जनसंख्या नियंत्रण उपायों का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि आक्रामक तरीके से लागू की गई नीतियों के कारण जनता में असंतोष पैदा हुआ था और राजनीतिक प्रतिक्रिया भी देखने को मिली थी।

जनसंख्या नियंत्रण के संदर्भ में, उन्होंने कहा कि एक समय ऐसी सरकार थी जिसने आपातकाल के दौरान, विशेष रूप से उत्तर भारत में, जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए आक्रामक प्रयास किए थे। उन्होंने कहा कि लोगों को जबरन नसबंदी के लिए ले जाया गया था, और बाद में वह सरकार पूरी तरह से पराजित हो गई।

युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा ईरान

■ **ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि युद्ध समाप्त करना और संघर्ष के कारण बाधित तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति फिर से शुरू करना ईरान द्वारा समझौते को स्वीकार करने पर निर्भर करता है, हालांकि उन्होंने समझौते का विस्तृत विवरण नहीं दिया।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने कहा कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा दिए गए नवीनतम प्रस्तावों की समीक्षा कर रहा है।

ईरान का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए फिर से खोलने सहित कोई समझौता नहीं होने की सूरत में देश को नये सिरे से बमबारी की धमकी दी है।

एक दिन पहले ही अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों की अमेरिकी नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे एक ईरानी तेल टैंकर पर गोलीबारी की थी।

इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने वेटिकन में पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों पर चर्चा की। रुबियो ने पोप लियो 14वें से मुलाकात की, जिनके ईरान युद्ध के विरोध के कारण पोप और ट्रंप के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिली थी।

बुधवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि युद्ध समाप्त करना और संघर्ष के कारण बाधित तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति फिर से शुरू करना ईरान द्वारा समझौते को स्वीकार करने पर निर्भर करता है, हालांकि उन्होंने समझौते का विस्तृत विवरण नहीं दिया।

ट्रंप ने लिखा, ''अगर वे सहमत नहीं होते हैं, तो बमबारी शुरू हो जाएगी।''

राजस्थान के अलवर में भीड़ ने किया थाने पर हमला, 18 लोगों को हिरासत में लिया गया

जयपुर/भाषा। राजस्थान के अलवर जिले में बुधवार देर रात दो युवकों को हिरासत में लिए जाने के बाद भीड़ ने गोविंदगढ़ थाने पर कथित तौर पर पथराव कर दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि घटना में थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी दर्ज करके 18 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। एएसपी ने बताया कि दो युवक मोटरसाइकिल पर 'स्टंट' कर रहे थे, तभी ग्रामीणों की ओर से शिकायत मिलने पर सहायक पुलिस निरीक्षक वहां पहुंचे और युवकों को रोका।

कनाडा 'भारत विरोधी चरमपंथी तत्वों' के खिलाफ कार्रवाई करे : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को कनाडा से आह्वान किया कि वह उसकी धरती से काम कर रहे ''भारत विरोधी चरमपंथी तत्वों'' के खिलाफ कार्रवाई करे। भारत की यह अपील कनाडा की खुफिया रिपोर्ट के मद्देनजर आई है, जिसमें खालिस्तानी तत्वों द्वारा उत्पन्न राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे को उजागर किया गया है।

कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) द्वारा पिछले सप्ताह जारी की गई 2025 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथियों की ''हिंसक उग्रवादी गतिविधियों'' में संलिप्तता कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''भारत ने कनाडा सरकार से बार-बार आग्रह किया है कि वह अपनी धरती से संचालित होने वाले भारत विरोधी चरमपंथी तत्वों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करे। इसमें हिंसा का महिमामंडन, भारतीय नेताओं और राजनयिकों को धमकियां, पूजा स्थलों में तोड़फोड़ और तथाकथित 'जनमत संग्रह' के माध्यम से अलगाववाद को बढ़ावा देने के प्रयासों जैसे मुद्दों का समाधान करना शामिल है।''

सरकार भारतीय डाक के लिए लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचा योजना लाएगी : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि सरकार विकसित देशों के अनुरूप मौजूदा पार्सल सुविधाओं को उन्नत बनाने के लिए भारतीय डाक के लिए लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचा योजना शुरू करने की तैयारी कर रही है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और संचार राज्यमंत्री चंद्र शेखर पेम्मासानी के साथ नेहरू प्लेस डाकघर के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन करने के बाद सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि विश्व भर में ई-कॉमर्स का विकास डिजिटलीकरण के साथ हुआ है और आगे के विकास के लिए इस क्षेत्र को डाक नेटवर्क का उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा, ''जल्द ही, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से हमारे विभाग के साथ, हमारे परिवार के साथ, हम एक डाक लॉजिस्टिक अवसंरचना योजना लाने जा रहे हैं। इस पहल का मकसद मौजूदा पार्सल सुविधाओं को विकसित देशों क अनुरूप उन्नत बनाना है...।''

सिंधिया ने कहा कि भारतीय डाक प्रतिवर्ष 7.5 करोड़ पार्सल, 90 करोड़ पत्र वितरित करती है और डाकघरों में अब तक 2.12 करोड़ पासपोर्ट और लगभग 15 करोड़ आधार कार्ड प्रसंस्कृत किए जा चुके हैं।

मंत्री ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी को योगदान देना होगा।

सिंधिया ने कहा कि डाक सेवाओं में डाककर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और वे अपने-अपने क्षेत्रों में परिवारों से अच्छी तरह जुड़े होते हैं।

मंत्री ने बताया कि डाकघर बचत बैंक में 40 करोड़ खाते हैं जिनमें लोगों ने कुल 23 लाख करोड़ रुपए जमा किए हैं।

पेम्मासानी ने कहा कि सरकार ने डाकघर आधुनिकीकरण में लगभग 5,800 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिससे ओटीपी आधारित डिलिवरी और तत्काल समय पर एसएमएस निगरानी शुरू हो सकी है।

इससे डाक सेवाओं में पारदर्शिता और सुविधा बढ़ी है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय शक्ति का सबसे बड़ा रूप केवल सैन्य और आर्थिक ताकत ही नहीं है, बल्कि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में नागरिकों का विश्वास है। इसी के बल पर, 150 वर्षों की विरासत, 1.6 लाख डाकघरों, 4.5 लाख कर्मचारियों और हर गांव के साथ, भारतीय डाक विभाग यह साबित कर सकता है कि सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान आधुनिक, जवाबदेह और महत्वाकांक्षी हो सकते हैं।

भारत में पंजीकृत वाणिज्यिक जहाजों के लिए सब्सिडी योजना पांच साल के लिए बढ़ी

वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में घोषित की थी योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को वाणिज्यिक जहाजों का भारत में पंजीकरण करने वाली भारतीय कंपनियों को सब्सिडी देने वाली योजना को पांच साल के लिए बढ़ाकर वित्त वर्ष 2030-31 तक कर दिया।

बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस योजना के विस्तार से भारत के समुद्री बेड़े को मजबूत करने और वैश्विक पोत परिवहन में देश की उपस्थिति बढ़ाने की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत जुलाई, 2021 में 1,624 करोड़ रुपए के प्रावधान के साथ इस सब्सिडी योजना को मंजूरी दी थी।

इसका उद्देश्य सरकारी मालढुलाई के आयात के लिए मंत्रालयों और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा जारी वैश्विक निविदाओं में भाग लेने वाली भारतीय पोत परिवहन कंपनियों को सब्सिडी देना है।

यह योजना वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2021-22 के अपने बजट भाषण में घोषित की थी।

इस योजना के तहत एक फरवरी, 2021 के बाद भारत में पंजीकृत और 10 वर्ष से कम उम्र के जहाजों को विदेशी कंपनियों की सबसे कम बोली (एल1) के मुकाबले 15 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाती है या भारतीय जहाज की बोली और विदेशी कंपनी की बोली के अंतर में से जो कम हो, वह राशि दी जाती है।

वहीं, एक फरवरी, 2021 तक भारत में पहले से पंजीकृत और 10 वर्ष से कम उम्र के जहाजों के लिए यह सब्सिडी 10 प्रतिशत तक है या बोली के अंतर के आधार पर तय होती है।

हालांकि 20 वर्ष से अधिक पुराने जहाज इस योजना के तहत सब्सिडी पाने के पात्र नहीं हैं।

मंत्रालय ने कहा कि योजना के विस्तारित दायरे को देखते हुए आवश्यकता पड़ने पर व्यय विभाग से अतिरिक्त धनराशि मांगी जाएगी।

एआई पारंपरिक आईटी को प्रभावित कर रहा, पर बाजार का आकार कम नहीं होगा : कोफोर्ज सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी कोफोर्ज ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) को तेजी से अपनाने से पारंपरिक 'लेबर-एज-ए-डिफॉल्ट' मॉडल प्रभावित हो रहा है लेकिन इससे आईटी सेवाओं का बाजार छोटा नहीं होगा।

'लेबर-एज-ए-डिफॉल्ट' मॉडल का सीधा संदर्भ नवंबर, 2025 में भारत में लागू हुई श्रम संहिताओं के साथ एक ऐसी प्रणाली से है जहां औपचारिक या नियोजित श्रम को मानक मान लिया गया है। यह मॉडल पुराने श्रम कानूनों के ढीले ढांचे से हटकर एक आधुनिक, सुरक्षित एवं डिजिटल-आधारित कामकाजी प्रणाली की ओर बदलाव को दर्शाता है। कोफोर्ज का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 612.3 करोड़ रुपए रहा है। राजस्व 30 प्रतिशत बढ़कर 4,450.4 करोड़ रुपए हो गया जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में 3,422.2 करोड़ रुपए था।

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं कार्यकारी निदेशक सुधीर सिंह ने कंपनी के नतीजों का विवरण देते हुए कहा कि एआई को तेजी से अपनाने से प्रौद्योगिकी सेवा उद्योग में पारंपरिक 'लेबर-एज-ए-डिफॉल्ट' मॉडल प्रभावित हो रहा है लेकिन यह उच्च मुनाफे वाले नए बड़े अवसर भी उत्पन्न कर रहा है। उन्होंने ''कोड की वास्तविक लागत'' का उल्लेख करते हुए कहा कि एआई से तैयार कोड बनाना भले सस्ता हो लेकिन उसका रखरखाव, सुरक्षा एवं स्वामित्व महंगा होता है। सिंह ने कहा, '' जैसे 20 वर्ष पहले क्लाउड की ओर रुख किया गया था, उसी तरह एजेंट एआई भी बड़े स्तर पर प्रबंधित सेवाओं की एक नई श्रेणी बनाएगा। एक बार ये प्रणाली उत्पादन में आ जाएं तो किसी को मॉडल की निगरानी करनी होगी, एजेंट को पुनः प्रशिक्षित करना होगा तथा संचालन सुनिश्चित करना होगा।'' उन्होंने कहा कि मांग पक्ष पर व्यापक आर्थिक अनुकूल कारक ''संरचनात्मक एवं स्पष्ट'' हैं जो अल्पकाल में आधुनिकीकरण की तेज गति तथा मध्यम अवधि में एआई एजेंट की तैनाती की लहर से प्रेरित हैं। कंपनी ने निवेशकों को प्रस्तुतीकरण में कहा, '' हालांकि, निवेशक एआई के प्रौद्योगिकी सेवाओं पर प्रभाव को लेकर चिंतित हैं, हमारा मानना है कि एआई उद्योग के लिए तेजी से नए मूल्य अवसर उत्पन्न कर रहा है और 35 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए 160-180 अरब डॉलर के वर्तमान बाजार अवसर के अगले पांच वर्ष में 800 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।'' कोफोर्ज ने बताया कि 2025-26 में 55 लाख डॉलर का एआई निवेश किया गया और एआई राजस्व वृद्धि एवं मुनाफे विस्तार दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है जो एआई-आधारित राजस्व हिस्सेदारी तथा कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) बुकिंग में तेज वृद्धि में परिलक्षित होता है। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में कोफोर्ज का शुद्ध लाभ दोगुना होकर 1,555.7 करोड़ रुपए हो गया। इसकी मुख्य वजह मई, 2025 में कोफोर्ज एडवांटेज गो में हिस्सेदारी बिक्री रही।

तरबूज से नहीं चूहे मारने की दवा से हुई थी एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दक्षिण मुंबई के पायधुनी इलाके में पिछले महीने एक परिवार के चार सदस्यों की मौत चूहे मारने की दवा खाने के कारण हुई थी। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। परिवार के चार सदस्यों की मौत तरबूज खाने से नहीं हुई, जैसा माना जा रहा था।

अधिकारी ने बताया कि मृतकों अब्दुल्ला डोकाडिया (44), उनकी पत्नी नसरीन (35) और उनकी बेटियों आयशा (16) एवं जैनब (13) के आंतरिक अंगों की जांच करने वाले विशेषज्ञों को उनमें जिंक फॉस्फाइड के अंश मिले। इस कीटनाशक का इस्तेमाल मुख्य रूप से चूहों को मारने के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि परिवार के चार सदस्यों की मौत तरबूज खाने से नहीं हुई, जैसा माना जा रहा था। उन्होंने कहा, ''हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि चूहे मारने की दवा गलती से खाई गई थी (या जानबूझकर)। अभी तक हमें ऐसा कोई ठोस कारण नहीं मिला है कि पूरे परिवार ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया होगा। जेजे मार्ग पुलिस स्टेशन द्वारा मामले में आगे जांच की जा रही है, जिसने परिजनों और पड़ोसियों के बयान दर्ज किए हैं।''

डोकाडिया परिवार ने 25 अप्रैल की रात अपने रिश्तेदारों के लिए एक छोटी सी पार्टी का आयोजन किया था। मेहमानों के जाने के कुछ घंटों बाद रात करीब एक बजे परिवार के चारों सदस्यों ने तरबूज खाए।

महिला ने पीछा करने वाले व्यक्ति को चप्पल से पीटा, ग्रामीणों ने उसका सिर मुंडवाकर गांव में घुमाया

अरिकेरा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में एक महिला ने उसका पीछा कर वाले एक व्यक्ति की सार्वजनिक स्थल पर चप्पल से पिटाई कर दी, जिसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने भी उस व्यक्ति के साथ कथित तौर पर मारपीट की और उसे अपमानित किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी बार-बार महिला का यौन उत्पीड़न कर रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला कुरनूल जिले के अरिकेरा गांव में अपने माता-पिता से मिलने आई थी। उसने कहा कि आरोपी पिछले कुछ दिनों से 32 वर्षीय महिला का पीछा कर रहा था और उस पर अवांछित यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डाल रहा था। उसने बताया कि मंगलवार अपराह्न जब आरोपी ने महिला को जबरदस्ती स्पर्श करने की कोशिश की तो उसने आरोपी की चप्पल से पिटाई की। पट्टिकोंडा के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) बी वेंकट रामैया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आरोपी महिला का पीछा कर रहा था, वह जहां भी जाती थी उसका पीछा करता था और उसके साथ अनुचित व्यवहार भी करता था। उन्होंने बताया कि मंगलवार की घटना के बाद क्रोधित ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और उसके सिर के कुछ बाल मुंडवा दिए और चप्पलों की माला पहनाकर उसे पूरे गांव में घुमाया। डीएसपी ने कहा कि कानून को अपने हाथ में लेना भी अपराध है। उन्होंने कहा कि दोनों परिवार फिलहाल इस मामले पर समझौता करने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीआरएस विधायक की कार में तोड़फोड़ की

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के खिलाफ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायक पी. कौशिक रेड्डी की ''अनुचित'' टिप्पणियों के विरोध में कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं द्वारा उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की गई, जिससे बृहस्पतिवार को करीमनगर शहर में मामूली तनाव व्याप्त हो गया।

पुलिस के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री एवं विधायक गंगुला कमलाकर के शिविर कार्यालय में रखे फूलों के गमलों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया और खिड़कियां भी तोड़ दीं। इसी कार्यालय में कौशिक रेड्डी ने एक प्रेस वार्ता की थी। यह घटना हुजूरबाद निर्वाचन क्षेत्र के विधायक कौशिक रेड्डी द्वारा केंद्रीय मंत्री के खिलाफ कथित तौर पर अनुचित टिप्पणी करने के बाद घटी। टिप्पणियों से नाराज होकर शिविर कार्यालय के बाहर जमा हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनकी गाड़ी को नुकसान पहुंचाया। भाजपा समर्थकों को वाहन पर हमला करते हुए एक वीडियो में देखा जा सकता है और पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को उस इमारत में प्रवेश करने से भी रोक दिया जहां कौशिक रेड्डी मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में भाजपा के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील स्थानों पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था और स्थिति अब नियंत्रण में है। बंडी संजय कुमार, करीमनगर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

वाम विचारधारा कायम रहेगी, मार्क्सवाद प्रासंगिक बना रहेगा : बेबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एम ए बेबी ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसी भी राज्य में वाम दलों की सरकार नहीं होने के बावजूद वामपंथी आंदोलन प्रासंगिक बना रहेगा तथा जब तक सामाजिक और आर्थिक असमानताएं बनी रहेंगी तब तक यह विचारधारा कायम रहेगी। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' को दिए साक्षात्कार में इस बात पर जोर दिया कि जब तक समाज में विभाजन है, मुट्ठी भर अरबपतियों द्वारा श्रमिकों, किसानों और आम जनता का शोषण होता रहेगा, तब तक मार्क्सवाद प्रासंगिक रहेगा।

भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने हाल ही में कहा था कि मार्क्सवाद अप्रासंगिक हो गया है। केरल विधानसभा चुनाव में वाम दलों की गठबंधन हार गया और सत्ता से बाहर हो गया। बेबी ने चंद्रशेखर पर पलटवार करते हुए कहा कि शायद राजीव चन्द्रशेखर समझ नहीं पा रहे होंगे, लेकिन सच्चाई यही है कि मार्क्सवाद प्रासंगिक बना रहेगा।

बेबी का कहना था कि वाम दलों के पास वर्तमान में किसी भी राज्य में निर्वाचित सरकार नहीं है, लेकिन चुनावी असफलताओं से आंदोलन की भूमिका कम नहीं होगी। उन्होंने कहा, हो सकता है कि हमारे पास किसी भी राज्य में निर्वाचित सरकार न हो। ऐसे मौके आए जब हमारे पास सरकार नहीं थी। लेकिन लाल झंडे और वंचितों, हाशिए पर पड़े और शोषितों के अधिकारों के लिए संगठित होने और संघर्ष करने की प्रतिबद्धता को माकपा और वामपंथी आंदोलन द्वारा हमेशा बरकरार रखा जाएगा। माकपा नेता ने कहा कि वामपंथियों को श्रमिकों, किसानों, खेतिहर मजदूरों, युवाओं, छात्रों और महिलाओं के बीच समर्थन प्राप्त है और यह आंदोलन आवश्यक है क्योंकि समाज में उत्पीड़न और हमले जारी हैं।

निर्वाचित सरकार को दूर रखने से आतंकी संगठनों की सूचनाओं का प्रवाह बाधित होता है : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ''अलग-थलग रहकर काम करने'' के खिलाफ आगाह करते हुए सुरक्षा तंत्र और जनप्रतिनिधियों के बीच की दूरी को उजागर किया है तथा जोर देकर कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा चुनौतियों का समाधान केवल सैन्य दृष्टिकोण से नहीं किया जा सकता।

अब्दुल्ला ने यहां पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में पिछले साल हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद के प्रभावों के बारे में बात की, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। उन्होंने आतंकवाद रोधी उपायों और पर्यटन पुनरुद्धार की जटिलताओं के बारे में बात की और कहा कि निर्वाचित सरकार को कानून-व्यवस्था तंत्र से ''पूरी तरह से अलग'' रखना महत्वपूर्ण सूचनाओं के आदान-प्रदान में बाधा डालता है। अब्दुल्ला ने कहा, ''समस्या यह है कि आप सुरक्षा स्थिति को केवल सुरक्षा का मामला मानकर उससे निपटने की कोशिश कर रहे हैं। यह तरीका कभी कारगर नहीं होगा। आतंकवाद के कारण और उसके प्रभाव, दोनों का व्यापक समुदाय से गहरा संबंध होता है।''

मुख्यमंत्री ने कई महीनों से चकमा देते आ रहे आतंकी मॉड्यूल का श्रीनगर पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए जाने का जिक्र करते हुए कहा, ''और इसलिए, जब आप अलग-थलग होकर काम करते हैं, जब चुनी हुई सरकार और चुने हुए प्रतिनिधि सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था तंत्र से पूरी तरह से कटे रहते हैं, तो अंततः यही स्थिति उत्पन्न होती है।''

पंजाब में मादक पदार्थ के खिलाफ सख्त कानून लाया जाएगा : भगवंत मान

जालंधर/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार एक नया मादक पदार्थ रोधी कानून लाएगी जिसमें मादक पदार्थ तस्करों की संपत्तियों को जब्त करने का प्रावधान होगा। मान ने अपनी 'शुक्राना यात्रा' के दूसरे दिन लोगों को संबोधित करते हुए पूर्ववर्ती सरकारों पर मादक पदार्थ तस्करों को संरक्षण देने और पंजाब में इस खतरे को फैलने देने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री बेअदबी विरोधी कानून के लागू होने के प्रति 'अभार' जताने के लिए चार दिवसीय राज्यव्यापी यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेअदबी विरोधी कानून लागू होने के बाद, पंजाब सरकार मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ और भी सख्त कानून लाएगी। मान ने कहा, ''अब मादक पदार्थ तस्करों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी और आसानी से जमानत मिलना बंद हो जाएगा। पहले तो कई आरोपियों को पुलिस थानों से ही जमानत मिल जाती थी। यह व्यवस्था अब खत्म होगी।'' उन्होंने कहा कि पंजाब में 'बेअदबी' (गुरु ग्रंथ साहिब का अपमान) करने वालों को अब सजा से बचने का मौका नहीं मिलेगा। इस कानून से अपवित्र कृत्यों के लिए आजीवन कारावास सहित कड़ी सजा सुनिश्चित होगी। मान ने आदमपुर और करतारपुर में जनसभाओं को संबोधित करने के दौरान शिरोमणि अकाली दल (शिअद)पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि अकाली दल को छोड़कर, पूरी 'सिख संगत' बेअदबी विरोधी कानून का स्वागत कर रही है।

बेटियों को अब बोझ नहीं, बल्कि अनमोल उपहार के रूप में देखा जाता है : सुनील जागलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। देश में एक समय ऐसा था जब लड़कियों के पैदा होने पर माता-पिता के चेहरे पर निराशा छा जाती थी, उन्हें लगता था कि उनके सारे सपने टूट गए हों, लेकिन अब लोगों के विचार ऐसे नहीं हैं और इसकी पुष्टि गैर सरकारी संगठन 'सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन' के तीन वर्षीय राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण हुई है। 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान शुरू करने वाले सुनील जागलान के अनुसार देश के कई हिस्सों विशेषकर हरियाणा में कई परिवार लड़की के जन्म पर खुलकर शोक मनाते थे ।

जागलान ने बृहस्पतिवार को कहा, ''पूरे देश में सकारात्मकता की एक परिवर्तनकारी लहर चल रही है, जहां बेटियों को अब बोझ नहीं, बल्कि अनमोल उपहार के रूप में देखा जाता है।'' उन्होंने कहा,''माता-पिता भतेरी, संतोष, अंतिम जैसे अफसोसजनक नामों को अलविदा कह रहे हैं और (बेटियों के लिए) पौराणिक कथाओं, आधुनिकता एवं आशा से प्रेरित सुंदर एवं सशक्त नामों को अपना रहे हैं।''

जागलान के एनजीओ 'सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन' के सर्वेक्षण के अनुसार कभी लिंगानुपात में गिरावट और बेटों की गहरी चाहत के लिए कुख्यात हरियाणा में अब एक खामोश क्रांति चल रही है। जागलान ने सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि पहले 'अंतिम', 'भतेरी', और 'संतोष' (जो 'दिया' गया है उससे संतुष्ट) जैसे नाम प्रचलन में थे लेकिन वे अब सुनने को नहीं मिलते। उन्होंने कहा,''जो परिवार कभी बेटी के जन्म पर शोक मनाते थे, वे अब उनके जन्म पर दीये जलाते हैं, गर्व के साथ उसकी उपलब्धियों और सपनों को साझा करते हैं। यह एक सामूहिक प्रायश्चित है, उन पीढ़ियों की लड़कियों से समाज की माफी है जो इससे बेहतर की हकदार थीं। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण देश भर में इसी तरह के उत्साहजनक रुझानों को उजागर करता है, जो एक व्यापक सांस्कृतिक पुनर्जागरण को दर्शाता है।

उनका कहना है कि सर्वेक्षण में देशभर में इसी तरह के उत्साहवर्धक रुझान सामने आए हैं, जो एक व्यापक सांस्कृतिक पुनर्जागरण को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, उत्तर प्रदेश में ''बाची'' और ''खतम'' (अंतिम या पर्याप्त) शब्दों का प्रचलन तेजी से कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में ''पुरा'', और ''समाप्ति''(जिनका अर्थ पूर्णता है), तेजी से लुप्त हो रहे हैं।

वंदे मातरम् पर सरकार का कदम 'असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक' : एआईएमपीएलबी

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी)ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान कानूनी संरक्षण दिए जाने के फैसले की बृहस्पतिवार को कड़ी आलोचना करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता सहित संवैधानिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन करार दिया और तत्काल इस निर्णय को वापस लेने की मांग की। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन में किसी भी प्रकार की बाधा डालने को दंडनीय अपराध बनाने के लिए 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971' में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

इससे वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन के समान वैधानिक सुरक्षा मिल जाएगी। वर्तमान कानून में राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान को किसी भी प्रकार के अपमान से सुरक्षा प्राप्त है।

बोर्ड द्वारा जारी बयान में कहा गया कि एआईएमपीएलबी केंद्रीय मंत्रिमंडल के उस फैसले को 'कड़ी आलोचना' के साथ खारिज करता है, जिसमें वंदे मातरम् को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के बराबर दर्जा दिया गया है, इसके सभी छह अंतरों के गायन को अनिवार्य बनाया गया है और सभी सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रगान से पहले इसका गायन अनिवार्य किया गया है।

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम में बैगा जनजाति के 13 बच्चों को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया गया

कवर्धा (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में पशुपालन कार्य में बंधुआ मजदूरी कर रहे बैगा जनजाति के 13 बच्चों को मुक्त कराया गया है। बैगा जनजाति 'विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह' (पीवीटीजी) है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें दो कथित तस्कर और छह नियोक्ता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह बचाव अभियान बुधवार को कबीरधाम के पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह छवई के नेतृत्व वाले एक दल ने शुरू किया था। यह कार्रवाई बच्चों की सुरक्षा के लिए काम करने वाले 'एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन' (एवीए) नामक एनजीओ से मिली गुप्त सूचना के बाद की गई। छवई ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, गुप्त सूचना मिलने के बाद हमने यह अभियान शुरू किया। जबरन बंधुआ मजदूरी में धकेले गए आठ से 15 साल की उम्र के 13 बच्चों को अलग-अलग गांवों से मुक्त कराया गया। इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो तस्कर और छह नियोक्ता शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से सात की पहचान रवि यादव, रामू यादव, बद्री यादव, कन्हैया यादव, रामफल यादव, राम बिहारी यादव और रूपेश यादव के रूप में हुई है।

राज्यपाल ने विजय से सरकार बनाने के लिए बहुमत नहीं होने की बात कही, टीवीके ने दलों से संपर्क साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बृहस्पतिवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय से कहा कि उनकी पार्टी के पास सरकार बनाने के लिए आवश्यक समर्थन नहीं है। वहीं, आवश्यक संख्या बल जुटाने के लिए टीवीके ने वाम दलों, वीसीके और आईयूएमएल से समर्थन का अनुरोध किया है। ये दल समर्थन देने के संबंध में दो दिनों के भीतर अपना रुख स्पष्ट कर सकते हैं। संबंधित दल चाहते हैं कि राज्यपाल टीवीके को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करें। विजय अपने मंत्रिमंडल में संभावित सहयोगियों को शामिल करने के लिए तैयार हैं, इसलिए वे संभवतः टीवीके को समर्थन दे सकते हैं।

लोक भवन ने कहा कि राज्यपाल आर्लेकर ने टीवीके अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय को बृहस्पतिवार को लोक भवन आमंत्रित किया। बुधवार के बाद दोनों के बीच यह दूसरी बातचीत थी। लोक भवन ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''बैठक के दौरान माननीय राज्यपाल ने समझाया कि उनके पास तमिलनाडु विधानसभा में सरकार गठित करने के लिए आवश्यक बहुमत अभी तक नहीं है।'' टीवीके ने 23 अप्रैल को हुए चुनावों में 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीट जीतीं और वह सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। हालांकि, पांच विधायकों वाली कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन दिया है, लेकिन अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाली पार्टी सदन में बहुमत के 118 के आंकड़े से अब भी कुछ सीट दूर है।

टीवीके नेता सीटीआर निर्मल कुमार ने गुरुवार को चेन्नई में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के प्रदेश सचिव एम वीरपांडियन और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रदेश सचिव पी शनमुगम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु में सरकार गठन में दोनों दलों का समर्थन मांगा और सत्ता में हिस्सेदारी पर जोर दिया। टीवीके के संयुक्त महासचिव कुमार ने चेन्नई में दोनों वाम दलों के कार्यालयों का दौरा किया और उन्हें पार्टी की ओर से समर्थन के अनुरोध वाले पत्र सौंपे। संपर्क करने पर, माकपा के प्रदेश सचिव शनमुगम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पार्टी स्थिति का जायजा लेगी और आठ मई को टीवीके के समर्थन के अनुरोध पर विचार करेगी। भाकपा के प्रदेश सचिव वीरपांडियन ने कहा कि समर्थन के संबंध में शुक्रवार को निर्णय होने की संभावना है।

वीसीके के शीर्ष नेता थोल थिरुमावलवन ने कहा कि वामपंथी दलों द्वारा टीवीके को समर्थन देने के मुद्दे पर रुख स्पष्ट करने के बाद उनकी पार्टी की शीर्ष स्तरीय समिति इस मामले पर निर्णय लेगी। कांग्रेस, वामपंथी दलों और वीसीके प्रमुख थिरुमावलवन ने विजय को अब तक सरकार बनाने के लिए आमंत्रित न करने पर राज्यपाल की निंदा की। थिरुमावलवन ने संवाददाताओं से कहा, ''विशेषज्ञों का कहना है कि राज्यपाल सरकार का समर्थन करने वाले 118 विधायकों की सूची नहीं मांग सकते और हमारा मानना है कि भाजपा तमिलनाडु की राजनीति में भ्रम पैदा कर रही है। उनसे (विजय) सदन में बहुमत साबित करने के लिए कहा जा सकता है, लेकिन उनसे पहले से सूची देने के लिए नहीं कहा जा सकता।''

तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) ने शुक्रवार को इस मुद्दे पर राज्यपाल और केंद्र में भाजपा सरकार के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने एक बयान में कहा, ''सरकारें लोक भवन के प्रांगण में नहीं, बल्कि सदन के पटल पर चुनी जाती हैं।''

इस बीच, द्रमुक सूत्रों ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष और निवर्तमान मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बैठक में वामपंथी दलों सहित गठबंधन दलों के नेताओं को अपनी इच्छा व्यक्त की कि उन्हें धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन का हिस्सा बने रहना चाहिए।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एम ए बेबी ने बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए टीवीके को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने का आह्वान किया, क्योंकि वह त्रिशंकु विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी है। तमिलनाडु में राजनीतिक गतिरोध पर माकपा महासचिव ने तर्क दिया कि स्पष्ट बहुमत के अभाव में या चुनाव पूर्व गठबंधन के बहुमत तक न पहुंचने की स्थिति में, संवैधानिक परंपरा के अनुसार सबसे बड़ी पार्टी के नेता को (सरकार में) शपथ दिलायी जानी चाहिए। उन्होंने 1996 में भाजपा के दिग्गज नेता अटल बिहारी वाजपेयी को दिए गए निमंत्रण का उदाहरण दिया। बेबी ने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ बातचीत में निमंत्रण में देरी पर सवाल उठाते हुए कहा, ''राज्यपाल का कार्यालय संदेह से परे होना चाहिए।'' उन्होंने मांग की कि टीवीके नेता विजय को विधानसभा में अपना बहुमत साबित करने के लिए उचित समय दिया जाए। इस बीच, भाजपा प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने दावा किया कि सरकार गठन से संबंधित सभी प्रक्रिया लोकतांत्रिक तरीके से होगी और राज्यपाल नियमों का पालन करेंगे।

भाजपा नेता ने 'पीटीआई वीडियो' सेवा को बताया, ''मुझे नहीं लगता कि राजभवन या राज्यपाल को लेकर कोई भ्रम है। वह (राज्यपाल) संविधान के अनुसार कदम उठाएंगे। वह नियमों का पालन करेंगे।''

टीवीके के कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल आर्लेकर से पार्टी प्रमुख विजय को सरकार बनाने की अनुमति देने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को लोक भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने यह भी दावा किया कि टीवीके 108 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और संविधान के अनुसार, विजय को सरकार बनाने के लिए बुलाना राज्यपाल का कर्तव्य है।

टीवीके धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखती है : कांग्रेस सांसद क्रिस्टोफर तिलक

तिरुचिरापल्ली। कांग्रेस सांसद क्रिस्टोफर तिलक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी ने विजय को सरकार बनाने के लिए समर्थन दिया क्योंकि वह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत में पूर्ण विश्वास रखते हैं। तिलक हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में सहयोगी दल द्रमुक के समर्थन से सांसद बने। तिलक ने संवाददाताओं से कहा कि अब टीवीके के लिए यह घोषणा करने का समय आ गया है कि वह ''हिंदुत्ववादी ताकतों'' के साथ गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा, ''भले ही कांग्रेस पार्टी के पास केवल पांच विधायक हों, लेकिन उसने दृढ़ निर्णय ले लिया है कि इस समय उसे इसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''अब, कांग्रेस के शामिल होने से भाजपा के लिए एक कठिन परिस्थिति उत्पन्न हो गई है, जहां वह न तो पैठ बना सकती है और न ही कोई बड़ी भूमिका निभा सकती है।'' उन्होंने यह भी कहा कि अल्पसंख्यकों और दलितों ने भाजपा विरोधी रुख अपनाते हुए मतदान किया। तिलक ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि इस शुरुआती स्थिति में भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म किया जा सकता है या नहीं, लेकिन अगर विजय चाहें तो मुख्यमंत्री बनने के बाद इसे निश्चित रूप से कम कर सकते हैं, और अगर वह इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाएं तो यह निश्चित रूप से संभव है।''

राज्यपाल लोकतांत्रिक परंपरा को बनाये रखें, टीवीके को सरकार गठन के लिए न्यौता दें : माकपा

चेन्नई/नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एम ए बेबी ने बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए टीवीके को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने का आह्वान किया, क्योंकि वह त्रिशंकु विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी है। तमिलनाडु में राजनीतिक गतिरोध पर माकपा महासचिव ने तर्क दिया कि स्पष्ट बहुमत के अभाव में या चुनाव पूर्व गठबंधन के बहुमत तक न पहुंचने की स्थिति में, संवैधानिक परंपरा के अनुसार सबसे बड़ी पार्टी के नेता को (सरकार में) शपथ दिलायी जानी चाहिए। उन्होंने 1996 में भाजपा के दिग्गज नेता अटल बिहारी वाजपेयी को दिए गए निमंत्रण का उदाहरण दिया। बेबी ने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ बातचीत में निमंत्रण में देरी पर सवाल उठाते हुए कहा, ''राज्यपाल का कार्यालय संदेह से परे होना चाहिए।'' उन्होंने मांग की कि टीवीके नेता विजय को विधानसभा में अपना बहुमत साबित करने के लिए उचित समय दिया जाए। माकपा की स्थिति स्पष्ट करते हुए बेबी ने माना कि द्रमुक के साथ उनका गठबंधन चुनाव हार गया है। उन्होंने कहा कि माकपा नेतृत्व इस 'असामान्य स्थिति' में आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए चेन्नई में बैठक करेगा। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने 108 सीट जीती हैं, लेकिन सरकार बनाने के लिए वह जरूरी 118 विधायकों का आंकड़ा पाने में असमर्थ है। कांग्रेस ने अपने पांच विधायकों के साथ विजय की पार्टी को समर्थन दिया है। विजय बुधवार से दो बार राज्यपाल आर्लेकर मिल चुके हैं।

विजय को मुख्यमंत्री बनने से रोकने की कोशिश में केंद्र सरकार : मणिकम टैगोर

नई दिल्ली/चेन्नई। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार टीवीके के नेता विजय को तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनने से रोकने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कांग्रेस पर पीठ में 'छुरा घोंपने' का आरोप लगाने के लिए द्रमुक पर पलटवार भी किया और कहा कि कांग्रेस के खिलाफ इस तरह की भाषा दुर्भाग्यपूर्ण एवं अस्वीकार्य है क्योंकि कांग्रेस ने अपने सहयोगियों के लिए हमेशा त्याग किया है। टैगोर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, तमिलनाडु का जनादेश बदलाव के लिए है, विजय की सरकार के लिए है। इन नतीजों से यह भी साबित हुआ है कि राज्य के लोगों ने धर्मनिरपेक्ष सरकार के लिए वोट किया है। उन्होंने दावा किया कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर भाजपा की विचारधारा से हैं और इस पद पर भी इसी विचारधारा के तहत काम कर रहे हैं, जबकि उन्हें संविधान के हिसाब से काम करना चाहिए।

वीसीके और वाम दलों के नेताओं ने द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विदुथालाई चिरुथैगल कच्ची (वीसीके) और वाम दलों के नेताओं ने बृहस्पतिवार को निवर्तमान मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नेता चंद्रशेखर जोसफ विजय ने राज्य में सरकार बनाने के लिए समर्थन देने का अनुरोध किया है। द्रमुक के तीनों सहयोगी दल शुक्रवार को अलग-अलग बैठक करेंगे और टीवीके को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने पर फैसला करेंगे। वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने यहां अलवरपेट स्थित द्रमुक प्रमुख स्टालिन के आवास से बाहर निकलते हुए संवाददाताओं को यह जानकारी दी।

स्टालिन से मुलाकात करने से पहले, थिरुमावलवन, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राज्य सचिव एम. वीरपांडियन और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य सचिव पी. शनमुगम ने आपस में चर्चा की थी। द्रमुक के इन तीनों सहयोगी दलों ने 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में क्रमशः दो-दो सीट पर जीत हासिल की हैं। द्रमुक की लंबे समय से सहयोगी रही कांग्रेस के चुनाव नतीजे आने के बाद टीवीके के साथ गठबंधन करने की घोषणा कर दी। उसके नयी विधानसभा में पांच सदस्य हैं। थिरुमावलवन ने संवाददाताओं से कहा, ''हम कोई जादुई फैसला नहीं ले सकते। वीसीके की उच्च स्तरीय समिति कल बैठक करेगी और अंतिम निर्णय लेगी। वामपंथी दल भी अपने-अपने कार्यालयों में बैठक करेंगे।'' उन्होंने स्टालिन के साथ हुई बैठक के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''हमने चुनाव परिणामों पर चर्चा की।''

चार मई को आए नतीजों के मुताबिक 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में टीवीके ने 108 सीट पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस के पांच सदस्यों ने हालांकि टीवीके को समर्थन दे दिया है लेकिन इसके बावजूद वह सरकार बनाने के लिए जरूरी 118 की संख्या से दूर है।

शपथ ग्रहण समारोह रद्द होने के बाद कार्यक्रम स्थल से निराश होकर लौटे टीवीके समर्थक

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के सैकड़ों समर्थक अपने नेता विजय को मुख्यमंत्री बनते देखने की आस लिए बृहस्पतिवार को शहर के नेहरू इनडोर स्टेडियम पहुंचे, लेकिन वहां बंद द्वार और निर्धारित कार्यक्रम को लेकर जानकारी के अभाव के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। राज्य के अरुम्बक्कम और कोयंबटूर जैसे विभिन्न नजदीकी और दूरस्थ हिस्सों से आए कई समर्थकों ने परिसर बंद मिलने और कोई आधिकारिक सूचना नहीं होने पर गहरी निराशा व्यक्त की।

प्रशंसकों और पार्टी समर्थकों ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा कि वे कतार में जगह पाने के लिए सुबह जल्दी पहुंचे थे, लेकिन वहां पहुंचकर उनका दिल टूट गया। विजय की एक समर्थक चारुलता ने उन्हें हुई भावनात्मक पीड़ा का जिक्र करते हुए कहा, हम बहुत खुशी के साथ आए थे कि वह आज मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन यहां कुछ भी नहीं है। द्वार बंद हैं। यह बहुत पीड़ादायक है। उनकी बेटी और 12वीं कक्षा की छात्रा साई दीपिका ने कहा, ''मैं यहां आने को लेकर बहुत उत्साहित थी। मैंने सभी से कहा था कि वह जीतेंगे और लोगों के लिए अच्छे काम करेंगे।'' विजय की एक अन्य समर्थक गुणसुंदरी ने कहा, ''मैं सार्वजनिक रूप से कहती हूं कि मैंने विजय को वोट दिया। मुझे विश्वास है कि वह जरूरतमंदों की मदद करेंगे। इस तरह द्वार बंद देखकर मुझे बहुत दुख हुआ।'' जमीनी स्तर पर भ्रम की स्थिति के बावजूद वहां जुटी भीड़ अपने राजनीतिक चयन को लेकर अडिग रही।

टीवीके कार्यकर्ताओं ने सरकार बनाने का निमंत्रण देने की मांग को लेकर लोक भवन के बाहर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से पार्टी प्रमुख विजय को सरकार बनाने की अनुमति देने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को लोकभवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। टीवीके के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के कारण कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया। कांग्रेस सहित 112 समर्थक विधायकों की सूची सौंपने के बावजूद राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने अब तक विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं किया है। तिरुप्पुर जिले के टीवीके कार्यकर्ताओं ने एसआर बोम्मई मामले के फैसले का हवाला देते हुए मीडिया से कहा कि लोकभवन बहुमत साबित करने का उचित स्थान नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विधानसभा ही बहुमत साबित करने का सही स्थान है।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी दावा किया कि टीवीके 108 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और संविधान के अनुसार, विजय को सरकार बनाने के लिए बुलाना राज्यपाल का कर्तव्य है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्यपाल टीवीके को सरकार बनाने का मौका न देकर भाजपा का पक्ष ले रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां भी दिखाईं और राज्यपाल के खिलाफ नारे लगाए। पुलिस को उनसे निपटने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। विजय के गुरुवारको शपथ ग्रहण न कर पाने पर निराशा व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह होने तक चेन्नई में ही रहने का फैसला किया है।

टीवीके को आमंत्रित करने में राज्यपाल की 'देरी' पर कांग्रेस और भाजपा में जुबानी जंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। टीवीके को बहुमत न मिलने के कारण तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए विजय को बुलाने में राज्यपाल द्वारा कथित देरी करने को लेकर कांग्रेस और भाजपा नेताओं के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने 23 अप्रैल को हुए चुनावों में 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीट जीतीं और वह सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। पांच विधायकों वाली कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन दिया है, लेकिन अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाली पार्टी बहुमत के 118 के आंकड़े तक पहुंचने से अब भी कुछ सीट दूर है।

विजय बुधवार से दो बार राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात कर चुके हैं। राज्यपाल ने विजय को बताया है कि उनके पास सरकार गठन के लिए जरूरी बहुमत नहीं है। इससे कांग्रेस और भाजपा के बीच यह बहस छिड़ गई है कि क्या राज्यपाल को टीवीके को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने से पहले बहुमत साबित करने पर जोर देना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने विजय को सरकार बनाने के लिए बुलाने में हुई ''देरी'' को केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा जानबूझकर की गई साजिश बताया, और इसे जनता के फैसले के खिलाफ ''अलोकतांत्रिक'' रणनीति करार दिया है।

दूसरी ओर, भाजपा नेताओं ने राज्यपाल के इस कदम को उचित ठहराते हुए ''संवैधानिक विवेक'' पर जोर दिया है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया, एक पूर्व भाजपा नेता को राज्यपाल बनाकर भाजपा द्वारा सबसे बड़ी पार्टी को सत्ता से वंचित करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। विजय को तुरंत आमंत्रित किया जाना चाहिए; ''संख्या बल का परीक्षण विधानसभा में किया जा सकता है, राजभवन में नहीं।''

भाजपा प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने कहा, ''राज्यपाल को कानून के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। परंपरा के अनुसार, राज्यपाल चुनाव पूर्व गठबंधन में विजयी हुई पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, यदि सबसे बड़ी पार्टी सरकार बनाने की इच्छा व्यक्त करती है, तो संविधान के अनुच्छेद 164 के तहत राज्यपाल का यह दायित्व है कि वह सत्यापित करें कि अन्य पार्टियों या निर्वाचित सदस्यों द्वारा दिया गया समर्थन संतोषजनक है या नहीं।''

शपथ ग्रहण से पहले मुख्यमंत्री काफिले के वाहनों का इस्तेमाल नहीं करेंगे विजय : टीवीके

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने प्रोटोकॉल के तहत तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को दिए जाने वाले पुलिस काफिले के वाहनों को अपने शपथ ग्रहण से पहले इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया। पार्टी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि विधानसभा चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद ''प्रोटोकॉल के तहत'' विजय को उपलब्ध कराए गए मुख्यमंत्री काफिले के वाहन लौटा दिए गए।

अधिकारी ने यह भी कहा कि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां पूरी हैं। टीवीके ने स्पष्ट किया कि पार्टी के संस्थापक विजय ने व्यक्तिगत रूप से अनुरोध किया था कि काफिले के वाहन लौटा दिए जाएं।'' टीवीके ने यहां एक बयान में कहा, ''विजय ने कहा कि वह स्पष्ट जनादेश के साथ सरकार बनाने के बाद ही मुख्यमंत्री स्तर की आधिकारिक सुरक्षा स्वीकार करेंगे।'' विधानसभा चुनावों में टीवीके को 108 सीट मिलने के बाद चार मई को विजय को आवंटित काफिले के चार वाहन उनके अनुरोध के बाद उनके आवास से लौटाए गए।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री रंगासामी ने उपराज्यपाल को इस्तीफा सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। एआईएन-आरसी प्रमुख एन रंगासामी ने बृहस्पतिवार को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और यहां लोक भवन में उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन को अपना त्यागपत्र सौंप दिया। रंगासामी ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि वह जल्द ही उपराज्यपाल से मिलेंगे और नयी सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। रंगासामी अपनी पार्टी एआईएनआरसी के नेतृत्व वाले राजग के साथ पांचवीं बार पुडुचेरी का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। राजग ने केंद्र शासित प्रदेश में बहुमत हासिल किया है।

ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) ने 12 सीटों पर जीत हासिल की है और उसकी सहयोगी भाजपा ने चार सीटों पर जीत दर्ज की है। राजग के अन्य घटक दल – अन्नाद्रमुक और एलजेके ने एक-एक सीट जीती है। 30 सदस्यीय विधानसभा में गठबंधन के पास 18 सीटें हैं। चार मई को घोषित चुनाव परिणाम में विपक्षी द्रमुक ने पांच सीटें और कांग्रेस ने एक सीट जीती है। नवगठित पार्टी टीवीके ने दो सीटें जीती हैं। सूत्रों के अनुसार, रंगासामी नयी सरकार के गठन के लिए शुभ मुहुर्त पर विचार कर रहे हैं।

पुडुचेरी प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष वैथिलिंगम ने अपने पद से इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी में नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए, प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष वी वैथिलिंगम ने बृहस्पतिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। पूर्व मुख्यमंत्री वैथिलिंगम को 2023 में प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। पार्टी सूत्रों ने बताया कि वैथिलिंगम को स्वयं थट्टनचावडी विधानसभा क्षेत्र में एआईएनआरसी नेता और मुख्यमंत्री एन रंगासामी के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बृहस्पतिवार को पार्टी आला कमान को अपना त्यागपत्र भेज दिया। वैथिलिंगम वर्तमान में केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी से लोकसभा सदस्य हैं। कांग्रेस ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और विदुथालाई चिरुथैगल कच्ची (वीसीके) के साथ समझौते के तहत 30 सदस्यीय विधानसभा के लिए अपने 16 उम्मीदवार उतारे थे। हालांकि, कांग्रेस एकमात्र औसुडु सीट ही जीत सकी।

केरल चुनाव परिणाम सौहार्द की मिसाल, यह असली 'केरल स्टोरी' है : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बृहस्पतिवार को केरल विधानसभा चुनाव परिणाम को सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल करार दिया और कहा कि यह एक ऐसा राज्य है जहां मतदाता जाति और धर्म से ऊपर उठकर वोट करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यही 'असली केरल स्टोरी है'। थरूर ने कुछ साल पहले आई एक फिल्म 'द केरल स्टोरी' को लेकर तंज किया, जिसमें केरल में कथित लव जेहाद को लेकर राज्य को नकारात्मक रूप से चित्रित किया गया था।

तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने कहा, हाल के चुनाव परिणामों से एक 'केरल स्टोरी' पर संप्रदायिक लोगों को ध्यान देना चाहिए। मुस्लिम बहुसंख्यक वाले निर्वाचन क्षेत्र थावनूर में एक ईसाई, वीएस जॉय को चुना गया, हिंदू बहुसंख्यक वाले निर्वाचन क्षेत्र कलामासेरी में मुस्लिम उम्मीदवार वीई अब्दुल गफूर को चुना गया और एक ईसाई बहुसंख्यक निर्वाचन क्षेत्र कोच्चि में मुस्लिम उम्मीदवार मुहम्मद शिया को चुना गया। उनका कहना हे कि पहचान की राजनीति के पक्ष में राष्ट्रीय स्तर के रुझानों का कुछ असर होने के बावजूद केरल सांप्रदायिक सद्भाव का एक मॉडल बना हुआ है और एक ऐसा राज्य है जहां लोग पहले मनुष्य देखते हैं और बाद में उसकी जाति या धर्म देखते हैं।

थरूर ने बाद में एक और पोस्ट किया जब कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने ऐसे उदाहरण की अनुपस्थिति की ओर इशारा किया जहां एक मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्र में किसी हिंदू उम्मीदवार को चुना गया हो।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038.

रुची की अभिव्यक्ति

सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ), चेन्नै, रेल मंत्रालय, भारत सरकार, पैसेंजर कोच बनाने वाली एक बड़ी कंपनी है, जो **रेलवे कोच बनाने के लिए ज़रूरी फिक्स्चर और टूल्स के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति और स्थापना और प्रमाणन** के लिए संगठनाओं से **रुची की अभिव्यक्ति** को आमंत्रण किया जाता है। जिन फर्मों के पास सिर्फ़ डिजाइन करने की क्षमता है, सिर्फ़ निर्माण की क्षमता है या डिजाइन और निर्मआण दोनों की क्षमता है, उन्हें जवाब देने के लिए बुलाया गया है।

जो संगठनों हिस्सा लेना चाहते हैं, वे ऊपर दिए गए काम को करने के लिए अपनी रुची की अभिव्यक्ति (ईओआई) दे सकते हैं, जिसमें उनकी कंपनी की मूलभूत जानकारी के साथ उनके सीएडी बुनियादी के ढांच, डिजाइन विशेषज्ञता और ग्राहक आधार की विवरण हों और इसे 25.05.2026 तक इस पते पर भेज दें:

मुख्य विभागीय इंजीनियर / मैकेनिकल
सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038,
फ़ोन / फ़ैक्स नं: 044-26261872,
ई-मेल: cdemicf@gmail.com

अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट: https://icf.indianrailways.gov.in/ - Tender Information - Expression of Interest पर देखें।

एएमई/डिजाइन

बम्बोरी गांव में पैदल घूमे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बृहस्पतिवार की सुबह प्रतापगढ़ के बम्बोरी गांव में पैदल घूमे और ग्रामीणों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने सुबह सुबह गांव का पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर ग्रामीणों से से मुलाकात की। बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया और उनके स्वास्थ्य, पेंशन एवं वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान अनेक बच्चों ने मुख्यमंत्री को अपना गृहकार्य दिखाया और पढ़ाई के बारे में बात की। शर्मा ने महिलाओं से संवाद करते हुए अधिकाधिक संख्या में राजीविका से जुड़ने का आह्वान किया।

आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री ने गांव में भ्रमण के बाद ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों एवं महिलाओं से संवाद किया तथा मूलभूत सुविधाओं से लेकर लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों के विकास के बिना देश और प्रदेश का समग्र विकास संभव नहीं है। जब तक गांवों के बीच जाकर लोगों से संवाद नहीं किया जाएगा, तब तक उनकी समस्याओं को पूर्ण रूप से समझा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास चौपाल और ग्राम विकास रथ 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को साकार करने की दिशा में की गई महत्वपूर्ण पहल हैं।

उन्होंने गांव में स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर में सपत्नीक जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। साथ ही, उन्होंने लक्ष्मीनाथ जी मंदिर एवं चारभुजानाथ जी मंदिर में भी दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों के विकास के बिना देश और प्रदेश का समग्र विकास संभव नहीं है। जब तक गांवों के बीच जाकर लोगों से संवाद नहीं किया जाएगा, तब तक उनकी समस्याओं को पूर्ण रूप से समझा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास चौपाल और ग्राम विकास रथ 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को साकार करने की दिशा में की गई महत्वपूर्ण पहल हैं।

मुख्यमंत्री ने गांव में भ्रमण के बाद ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों एवं महिलाओं से संवाद किया तथा मूलभूत सुविधाओं से लेकर लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने गांव में स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर में सपत्नीक जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। साथ ही, उन्होंने लक्ष्मीनाथ जी मंदिर एवं चारभुजानाथ जी मंदिर में भी दर्शन किए। इस दौरान राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, सांसद सीपी जोशी, विधायक श्रीचंद कृपलानी भी साथ रहे।

कोटा के अस्पताल में सिजेरियन प्रसव के बाद एक और महिला की मौत, चार की हालत अब भी गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा स्थित न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) में सिजेरियन प्रसव के दौरान संक्रमित एक और महिला की बृहस्पतिवार की सुबह मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिजेरियन प्रसव के बाद संक्रमित चार अन्य महिलाओं की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए जयपुर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम को अस्पताल में सिजेरियन प्रसव के बाद कम से कम छह महिलाओं की तबीयत बिगड़ गई और उनमें से एक की मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई।

कोटा के एनएमसीएच में अपर अधीक्षक डॉ. आर पी मीना ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कोटा निवासी ज्योति नायक (19) की बृहस्पतिवार की सुबह इलाज के दौरान संक्रमण से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह पांचों संक्रमित महिलाओं को गुर्दा रोग वार्ड में भर्ती कराए जाने के बाद से ज्योति की हालत सबसे गंभीर थी। बृहस्पतिवार को जब उनकी हालत और बिगड़ी तो उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) पर रखा गया था। डॉ. मीना ने बताया कि पूर्वाह्न करीब 10:30 बजे इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

उन्होंने बताया कि बाकी चार संक्रमित महिलाओं की हालत गंभीर है और उन्हें गुर्दा संबंधी गंभीर समस्या है। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि उन्हें बेहतर इलाज के लिए जयपुर ले जाने की तैयारी चल रही है। डॉ. मीना ने बताया कि ज्योति पहली बार मां बनी थी और उसका नवजात शिशु, साथ ही चार अन्य एनआईसीसीयू में चिकित्सकीय निगरानी में हैं और सभी स्वस्थ हैं।

उन्होंने बताया कि जयपुर के सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज से डॉ. निहार शर्मा (एनेस्थीसिया), डॉ. सुनील कुमार महावर (मेडिसिन), डॉ. पवन अग्रवाल (स्त्री रोग) और डॉ. संजीव कुमार शर्मा (गुर्दा रोग) सहित विशेषज्ञों की एक टीम बुधवार रात को कोटा पहुंची और संक्रमित महिलाओं के बेहतर इलाज के लिए यहां की चिकित्सा टीमों के साथ समन्वय और सहायता कर रही है।

इस बीच, ज्योति के परिजनों ने उसका शव लेने से इनकार कर दिया है और मेडिकल कॉलेज परिसर के अंदर विरोध प्रदर्शन किया। पति रवि और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद थे। रवि ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी और पांच अन्य महिलाओं को दवा की गलत खुराक दी गई, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई और दो महिलाओं की मौत हो गई।

उन्होंने कहा, जब तक न्याय नहीं मिल जाता, मैं उसका शव अंतिम संस्कार के लिए नहीं ले जाऊंगा। अस्पताल में सोमवार शाम को लगभग 12 गर्भवती महिलाओं का सिजेरियन के जरिये प्रसव कराया गया और सर्जरी के 8-12 घंटे बाद, उनमें से छह की हालत बिगड़ गई, उनके रक्तचाप, प्लेटलेट में गिरावट आई और उन्हें मूत्र अवरोध की समस्या हो गई। इन छह महिलाओं को मंगलवार तड़के गुर्दा रोग वार्ड में भर्ती कराया गया। इनमें से एक महिला, जिसकी पहचान पायल (26) के रूप में हुई, की मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को मेडिकल कॉलेज का दौरा किया और प्रभावित महिलाओं के इलाज की जानकारी ली। इस बीच, कोटा जिला प्रशासन ने मामले की जांच के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया है और उनकी रिपोर्ट का इंतजार है।

बिरला ने कोटा अस्पताल का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा कर उन पांच महिलाओं की चिकित्सकीय देखभाल का जायजा लिया जिनकी सिजेरियन प्रसव के बाद तबीयत बिगड़ गई। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि ऑपरेशन के बाद जिन छह महिलाओं की तबीयत बिगड़ी थी, उनमें से एक महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि उसके नवजात बेटे की सेहत हालांकि ठीक है और उसे परिजनों के साथ घर भेज दिया गया है।

बिरला ने बुधवार को कहा कि सरकारी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत और पांच अन्य महिलाओं में गंभीर संक्रमण होने की घटना दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय चिकित्सा दल गठित किया गया है।

उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों का एक अन्य दल भी कोटा पहुंचने वाला है और वह यहां के चिकित्सकों के साथ समन्वय कर महिलाओं को बेहतर उपचार उपलब्ध कराएगा। जिला प्रशासन ने भी घटना की जांच के लिए विभिन्न समितियां गठित की हैं। अस्पताल में सोमवार देर रात से मंगलवार तड़के के बीच सिजेरियन प्रसव कराने वाली छह महिलाओं की ऑपरेशन के आठ से 10 घंटे बाद तबीयत बिगड़ गई थी। महिलाओं को नेफ्रोलॉजी वार्ड में स्थानांतरित किया गया, जबकि उनके नवजात शिशुओं को अस्पताल की नवजात गहन चिकित्सा इकाई में ले जाया गया। इन महिलाओं में से एक की मंगलवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान चित्तौड़ जिले के भैंसरोडगढ़ की निवासी पायल (26) के रूप में हुई है।

मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्रधानाचार्य और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. नीलेश जैन ने पत्रकारों से कहा कि सोमवार शाम कम से कम 12-13 गर्भवती महिलाओं का सिजेरियन से प्रसव हुआ था जिनमें से छह की हालत ऑपरेशन के आठ से 10 घंटे बाद बिगड़ने लगी। उनका रक्तचाप एवं प्लेटलेट कम हो गए तथा मूत्र अवरोध की समस्या हुई जो गुर्दे में संक्रमण का संकेत देता है। उन्होंने बताया कि इनमें से एक महिला की मंगलवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। जैन ने बताया कि मौत के कारण का पता लगाने के लिए मृत्यु ऑडिट समिति गठित की गई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जटिलताओं से जूझ रही पांच महिलाओं को नेफ्रोलॉजी वार्ड में स्थानांतरित किया गया है और उन्हें विशेष चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने के लिए डॉ. विकास खंडेलिया के नेतृत्व में पांच सदस्यीय चिकित्सा दल गठित किया गया है। उन्होंने बताया कि डॉ. सुरेश दुलारा के नेतृत्व में एक अन्य चिकित्सा दल महिलाओं की तबीयत बिगड़ने के कारणों की जांच करेगा।

एसीबी ने जल जीवन मिशन घोटाला मामले में पूर्व मंत्री जोशी को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) में 900 करोड़ रुपये के कथित घोटाले से जुड़े मामले में बृहस्पतिवार को पूर्व मंत्री महेश जोशी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी सुबोध अग्रवाल की गिरफ्तारी के बाद हुई है। राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रहे जोशी को गिरफ्तारी के बाद एक अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें 11 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

इससे पहले अप्रैल 2025 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इसी कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में जोशी को गिरफ्तार किया था। वह करीब सात महीने तक जेल में रहे जिसके बाद दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें जमानत दे दी थी।

अधिकारियों के अनुसार जोशी को बृहस्पतिवार तड़के जयपुर में स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। एसीबी के प्रवक्ता के अनुसार विशेष जांच दल (एसआईटी) सुबह करीब पांच बजे जोशी के आवास पर पहुंचा और 'जल जीवन मिशन' के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्हें एसीबी कार्यालय लाया गया और औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया।

अदालत ले जाते समय जोशी ने पत्रकारों से कहा कि एसीबी ने उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया और सुबह उनके आवास पर पहुंच गई। जोशी ने कहा कि वह निर्दोष हैं और उन्होंने अपने खिलाफ की गई इस कार्रवाई को क्रूर बताया। जोशी ने कहा, इससे ज़्यादा क्रूर कुछ नहीं हो सकता। मैं निर्दोष हूं। आज मेरी शादी की सालगिरह है और सरकार ने मेरी पत्नी को इस तरह दुख दिया है।

उन्होंने कहा कि सच परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। हालांकि, जोशी ने इस घोटाला मामले पर ज्यादा टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा लेकिन इतना जरूर कह सकता हूं कि मैं निर्दोष हूं। एसीबी के अनुसार जोशी पर आरोप है कि उन्होंने तत्कालीन जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री के तौर पर अपने पद का दुरुपयोग किया और ठेका देने के बदले रिश्वत ली।

एसीबी ने 2024 के अंत में पूर्व मंत्री और अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। इस मामले में अधिकारियों और ठेकेदारों समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि तीन अन्य आरोपी अब भी फ़रार हैं। इस मामले के सिलसिले में पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी सुबोध अग्रवाल को 10 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। उनसे पहले कुछ अधिकारियों और ठेकेदारों को गिरफ्तार किया गया था। एसीबी के प्रवक्ता ने बताया कि अब तक पूर्व मंत्री समेत कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोप है कि कुछ कंपनियों ने अधिकारियों की मिलीभगत से जाली 'प्रमाणपत्र' जमा करके ठेके हासिल किए थे।

सरकारी अधिकारी से मारपीट के आरोप में भाजपा विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के गंगानगर में पुलिस ने राजस्थान शहरी बुनियादी ढांचा विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) के सहायक अभियंता पर कथित हमले के मामले में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के विधायक जयदीप बिहाणी व कई अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार शहर के जवाहर नगर थाने में सहायक अभियंता जगनलाल बैरवा की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया। थानाधिकारी देवेंद्र सिंह राठौड़ ने बृहस्पतिवार को बताया कि प्राथमिकी में विधायक जयदीप बिहाणी समेत 5-6 नामजद व्यक्तियों और कई अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी में मारपीट, सरकारी कर्मचारी के कार्य में बाधा डालने और अनुसूचित जाति/जनजाति कानून के प्रावधानों से संबंधित आरोप शामिल हैं। सहायक अभियंता बैरवा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 30 अप्रैल को विधायक के 'जन सेवा केंद्र' में सुनवाई के दौरान बिहाणी और उनके समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की।

मूल रूप से सवाई माधोपुर जिले के निवासी बैरवा ने यह आरोप भी लगाया कि विधायक ने इससे पहले 10 अप्रैल को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी (दिशा) समिति की बैठक के दौरान भी उन्हें धमकी दी थी।उन्होंने दावा किया कि 30 अप्रैल को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एईएन कृष्ण धारीवाल ने उन्हें फोन किया और एक बैठक के लिए विधायक के सेवा केंद्र पर बुलाया जहां उनके साथ मारपीट की गई। उल्लेखनीय है कि इस मामले में पहले विधायक बिहाणी ने आरोप लगाया था कि सार्वजनिक सुनवाई के दौरान अभियंता और दो अन्य लोगों ने उनके साथ मारपीट की थी। उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने एईएन जगनलाल बैरवा और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। रिहा होने के बाद बैरवा ने आरोप लगाया कि विधायक व उनके समर्थकों ने उनके और अन्य लोगों के साथ मारपीट की थी।

प्रदेश के गौशालाओं में किए गए पशु चिकित्सा एवं बांझपन निवारण शिविर आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत का जन्मदिवस गौसेवा दिवस और सेवा के संकल्प के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश के सभी पंजीकृत और अपंजीकृत गौशालाओं में पशुधन के स्वास्थ्य संरक्षण और दुग्ध उत्पादन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरूवार को एक दिवसीय पशु चिकित्सा और बांझपन निवारण शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में पशुपालकों ने अपने पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया और विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। चिकित्सकों ने गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार करने के साथ-साथ औषधियों का वितरण किया। शिविरों में बांझपन से प्रभावित गौवंशों की जांच कर उन्हें उपचार और कृत्रिम गर्भाधान संबंधी सेवाएं तथा उचित परामर्श भी उपलब्ध करवाया गया।

पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ सुरेशचंद मीना ने बताया कि गुरूवार को पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के जन्मदिवस

के अवसर पर विभाग द्वारा सभी गौशालाओं में शिविरों के आयोजन का निर्णय लिया गया। पशुपालन मंत्री के सक्षम नेतृत्व में पशु कल्याण के लिए विभाग ने कई नवाचार किए हैं। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, मोबाइल वेटरिनरी यूनिट का संचालन, सेक्स सॉर्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान जैसे कार्यक्रमों से पशुपालकों को बहुत लाभ मिल रहा है।

मीना ने बताया कि इन शिविरों का उद्देश्य गौशालाओं में आश्रय प्राप्त गौवंश को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में पशुओं में होने वाले खुरपका मुंहपका, लंपी तथा अन्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए टीकाकरण एवं जागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

शिविरों में पशुपालकों को पशुओं के संतुलित आहार, स्वच्छता प्रबंधन आदि विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। मीना ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे जिससे पशुधन विकास और गौसंवर्द्धन को बढ़ावा मिल सके।

एसएमएस में शुरू होगी ईवनिंग ओपीडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल में मरीजों को सुगमता से उपचार उपलब्ध करवाने एवं क्राउड मैनेजमेंट के लिए अधिक रोगी भार वाले विभागों में ईवनिंग ओपीडी शुरू की जाएगी। पहले चरण में यह शुरूआत मेडिसिन विभाग से होगी। इसके साथ ही दवा वितरण काउंटरों की संख्या बढ़ाई जाएगी एवं जांच के लिए सैम्पल कलेक्शन हेतु मानव संसाधन बढ़ाया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने गुरूवार को सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के निरीक्षण के दौरान इस संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल देश के सबसे बड़े एवं नामी अस्पतालों में शामिल है, इसलिए यहां रोगीभार अधिक होना स्वाभाविक है, लेकिन रोगियों को इलाज में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। अधिक समय तक कतारों में नहीं खड़ा रहना पड़े, इसके लिए अस्पताल प्रशासन तात्कालिक इंतजाम सुनिश्चित करने के साथ ही दीर्घकालिक योजना पर भी काम करे।

श्रीमती राठौड़ ने धन्वंतरि ओपीडी में कार्डियोलॉजी, मेडिसिन एवं आर्थोपेडिक्स विभाग का दौरा कर वहां स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विभागों में रोगी भार अत्यधिक रहता है, उनमें वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर ईवनिंग ओपीडी भी शुरू की जाए, ताकि रोगियों को ज्यादा समय तक अस्पताल में नहीं रहना पड़े। उन्होंने प्रथम चरण में मेडिसिन विभाग में शाम 5 से 7 बजे तक ओपीडी सेवाएं शुरू करने के निर्देश दिए।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट के तहत आज हैदराबाद में आयोजित होगी इनवेस्टर मीट

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान को कृषि नवाचार, एग्रीटेक निवेश और तकनीक आधारित कृषि विकास का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में कृषि विभाग, राजस्थान द्वारा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) तथा राजस्थान फाउंडेशन के सहयोग से 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)2026' के तहत 8 मई शुक्रवार को हैदराबाद में एक महत्वपूर्ण इनवेस्टर मीट आयोजित की जा रही हैं, जिसमें कृषि, एग्रीटेक, आईटी, बीज प्रौद्योगिकी, संरक्षित खेती और कृषि अनुसंधान से जुड़े प्रमुख उद्योग प्रतिनिधि, निवेशक और विशेषज्ञ भाग लेंगे। रोड शो के दौरान स्कोप ऑफ आईटी इंटरवेंशन एंड टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन इन एग्रीकल्चर विषय पर विशेष पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी।

पैनल चर्चा में आईटीसी, कोरोमंडल, नुजिवीडु सीड्स, खेयती, आईसीआरआईसैट तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑयलसीड्स रिसर्च (आईआईओआर) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों और कंपनियों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। चर्चा के दौरान राजस्थान में एग्रीटेक विस्तार, तकनीकी नवाचार, इंटर-स्टेट सहयोग तथा कृषि निवेश के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में तथा उनके साथ राजस्थान के कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ किरोड़ी लाल , पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती मंजू राजपाल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

इंफाल हवाई अड्डे के समीप विस्फोट के सिलसिले में एक उग्रवादी गिरफ्तार : पुलिस

इंफाल/भाषा। मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के एक सदस्य को राजधानी इंफाल के हवाईअड्डे के पास कुछ दिन पहले हुए विस्फोट के सिलसिले में इंफाल पूर्व जिले से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि लैशराम इबोमचा मेइती (47) को बुधवार को इंफाल पूर्व जिले के वांगखेई स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। अदालत ने उसे 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। प्रतिबंधित कांगलेइपक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) ने तीन मई को हुए उस विस्फोट की जिम्मेदारी ली थी, जो इंफाल हवाईअड्डे से महज एक किलोमीटर दूर हुआ था।

सुरक्षा बलों ने इसी संगठन की 51 वर्षीय महिला सदस्य को भी बुधवार को इंफाल पश्चिम जिले के सगोलबंद स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया।

भाजपा नीत बिहार सरकार के मंत्रिमंडल का बड़ा विस्तार, निशांत कुमार समेत 32 नेताओं ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली पहली सरकार का बड़ा मंत्रिमंडल विस्तार हुआ और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार तथा 31 अन्य नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने पांच दलों वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी 32 नेताओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा तथा बिहार भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन भी उपस्थित थे। सभी की निगाहें निशांत कुमार (45) पर टिकी थीं, जिन्होंने करीब दो महीने पहले नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा सदस्य बनने की घोषणा के बाद सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया था।

पिछले महीने भाजपा नेता सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के समय उपमुख्यमंत्री पद का प्रस्ताव ठुकराने वाले निशांत ने अंततः पार्टी नेताओं के आग्रह को स्वीकार कर लिया। पार्टी नेताओं को आशंका थी कि नीतीश के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद जदयू की राजनीतिक संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं।

शपथ लेने से पहले सार्वजनिक जीवन से अपेक्षाकृत दूर रहने वाले निशांत कुमार ने अपने पिता के साथ-साथ शाह और मोदी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा में 89 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और अब उसके मंत्रियों की संख्या 15 हो गई है।

मंत्रिमंडल में शामिल अधिकांश नेता वे हैं जो पिछले वर्ष नवंबर में राजग की सत्ता में वापसी के बाद बनी नीतीश कुमार सरकार में मंत्री रह चुके थे।

झंझारपुर के विधायक नीतीश मिश्रा की भी मंत्रिमंडल में वापसी हुई है। उद्योग राज्य मंत्री के रूप में उन्होंने प्रभाव छोड़ा था, लेकिन पिछले वर्ष नवंबर में नीतीश कुमार के फिर मुख्यमंत्री बनने पर उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया गया था। उनके पिता दिवंगत जगन्नाथ मिश्रा बिहार के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रह चुके थे।

हालांकि, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मंगल पांडेय को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलना चर्चा का विषय रहा। वह पिछले कई वर्ष से स्वास्थ्य विभाग संभाल रहे थे।

पांडेय फिलहाल पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रभारी हैं और अटकलें हैं कि राज्य में पार्टी की हालिया सफलता के बाद उन्हें अगले वर्ष होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है।

नियुक्ति प्रक्रिया में अब नहीं चलती सिफारिश : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में सरकारी भर्तियां पारदर्शी और प्रौद्योगिकी के जरिये किए जाने का दावा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अब चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में सिफारिश या गलत तरीकों की कोई गुंजाइश नहीं है।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ के लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में आयुष विभाग, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग, और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के 481 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि अगर नीयत साफ और नीति स्पष्ट हो तो सकारात्मक परिणाम आने में देर नहीं लगती और यह नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम इसका उदाहरण है। आदित्यनाथ ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश सरकार ने नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी देकर कीर्तिमान स्थापित किया है।

मुजफ्फरनगर में 36 घंटे में आठ पुलिस मुठभेड़, 12 अपराधी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फरनगर जिले के विभिन्न हिस्सों में 36 घंटे आठ मुठभेड़ के बाद 12 कथित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 10 पुलिस की ओर से चलाई गई गोली लगने से घायल हो गए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने कहा कि ये मुठभेड़ बुढ़ाना, मंसूरपुर, कोतवाली सिटी, नई मंडी और शाहपुर थाना क्षेत्रों में हुईं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी लूट, डकैती, मोबाइल झपटमारी और पशु चोरी से जुड़े मामलों में शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाहरुख, मनीष, शिवम, सलमान, खुशनसीब, अमर, गुड्डु, अभिषेक, अरशद और मोमिन के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी के दौरान 10 आरोपियों को गोली लगी और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ओडिशा में नीट अभ्यर्थी ने असफलता के डर से आत्महत्या की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के भद्रक जिले में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की तैयारी करने वाला 19 वर्षीय युवक अपने घर पर फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने यह जानाकरी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक के परिवार का आरोप है कि उसने तीन मई को हुई मेडिकल प्रवेश परीक्षा में असफल होने के डर से आत्महत्या कर ली। उसने बताया मृतक की पहचान ज्योति प्रकाश बारिक के रूप मे हुई है। वह तिहिडी प्रखंड के नुंदा गांव का रहने वाला था।

पुलिस के अनुसार, वह भद्रक टाउन पुलिस स्टेशन क्षेत्र में अपने किराए के मकान की छत से लटका मिला। हालांकि उसे भद्रक जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि भद्रक शहर पुलिस ने इस संबंध में अप्राकृतिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, वहीं मृतक के परिवार के सदस्यों ने कहा कि रविवार को परीक्षा में शामिल होने के बाद से वह गहरे मानसिक तनाव में था। ज्योति पिछले साल नीट की परीक्षा में सफल नहीं हो पाया था लेकिन इस बार उसे इसके सफल होने की उम्मीद थी। नीट-यूजी एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और बीएससी नर्सिंग सहित स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों के लिए प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है। परिवार के सदस्यों का दावा है कि उसके पिता अपनी आजीविका के लिए चाय की दुकान चलाते हैं और उन्होंने अपने बेटे की कोचिंग के लिए करीब तीन लाख रुपए खर्च किए थे।

उप्र में नेपाल सीमा के पास एक करोड़ रुपए मूल्य की नशीली गोलियां बरामद, तीन लोग गिरफ्तार

महाराजगंज (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज में भारत-नेपाल सीमा पर तीन कथित अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया और लगभग एक करोड़ रुपए मूल्य की प्रतिबंधित नशीली गोलियां जब्त की गईं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारियां श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के पास बुधवार देर रात एक सूचना के आधार पर की गई।

अधिकारियों के अनुसार, पुलिस ने 6,240 'ट्रामालैब', 4,380 'एन्जोमैक' और 3,750 'अल्ट्रापार नियो' टैबलेट और एक वाहन भी बरामद किया, जिसका कथित तौर पर परिवहन के लिए उपयोग किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राम समुश केवट (40), नवीन कुमार गौतम (28), और संदीप कुमार (32) के रूप में हुई। सभी गोरखपुर जिले के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) शक्ति मोहन अवस्थी ने कहा कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे प्रतिबंधित पदार्थ अन्य राज्यों से पार्सल सेवा के माध्यम से मंगवाते थे।

बिहार के सहरसा जिले में मध्याह्न भोजन खाने से बच्चे हुए बीमार

पटना/भाषा। बिहार के सहरसा जिले में एक विद्यालय में मध्याह्न भोजन खाने के बाद 150 से अधिक बच्चे बीमार पड़ गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। घटना जिले के बलुआहा गांव में स्थित एक माध्यमिक विद्यालय में हुई। अधिकारी ने बताया कि 115 बच्चों का सदर अस्पताल में इलाज किया जा रहा है, जबकि करीब 50 विद्यार्थियों को महिषी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

सहरसा के जिलाधिकारी दीपेश कुमार ने संवाददाताओं से कहा, हमें सूचना मिली कि बलुआहा में मध्याह्न भोजन खाने के बाद कई बच्चे बीमार हो गए। बच्चों का पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज किया गया, लेकिन बाद में कई बच्चों को सदर अस्पताल भेजना पड़ा। उन्होंने कहा, चिकित्सकों के अनुसार बच्चों की हालत में सुधार हुआ है, लेकिन उन्हें कुछ समय तक निगरानी में रखा जाएगा। घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ बच्चों को हल्का बुखार है और उनका उपचार किया जा रहा है। इस बीच, कुछ बच्चों के परिजन ने दावा किया कि जिस बर्तन में पकी हुई दाल रखी गई थी उसमें एक सांप मिला। उन्होंने बताया कि विद्यालय में मौजूद 545 विद्यार्थियों में से करीब 200 बच्चे भोजन कर चुके थे।

'ऑपरेशन सिंदूर' में दुनिया ने भारत की रक्षा क्षमता देखी : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान दुनिया ने भारत की ''आक्रमण और रक्षा क्षमताओं'' को देखा। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर उन्होंने कहा कि भारत हर आतंकवादी और उसके समर्थकों की ''पहचान करेगा, उन पर नजर रखेगा तथा उन्हें दंडित करेगा''। शर्मा ने पोस्ट में कहा, ''यह उन कुख्यात तत्वों के लिए स्पष्ट संदेश था जिन्होंने मां भारती पर आंखें उठाने की हिम्मत की, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उन्हें जल्द ही भारतीय सेना का प्रकोप देखने को मिला।'' अत्यंत सटीक और शक्तिशाली तरीके से आतंकवादियों तथा उनके समर्थकों का सफाया कर दिया गया। शर्मा ने कहा, ''इस बदलते परिदृश्य में दुनिया ने भारत की आक्रमण और रक्षा क्षमताओं को भी देखा। ऑपरेशन सिंदूर उन सभी भारत-विरोधी तत्वों के लिए संदेश था-भारत के खिलाफ कोई कृत्य करने की हिम्मत मत करो, अन्यथा तुम धरती से मिटा दिए जाओगे।'' पिछले साल 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद सात मई को शुरू किए ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर स्थित आतंकी ठिकानों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की ताकत का प्रतीक : माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की ताकत का प्रतीक था और इसने स्पष्ट संदेश दिया कि देश की सुरक्षा को किसी भी तरह की चुनौती का जवाब निर्णायक बल से दिया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर के एक साल पूरा होने पर माझी ने भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर जवानों के प्रति गहरा सम्मान और आभार व्यक्त किया। उन्होंने भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय गौरव की रक्षा के लिए उनके साहस, वीरता और समर्पण की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर नए भारत के संकल्प, सटीकता और शक्ति का सशक्त प्रतीक है। इसने स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की संप्रभुता और सुरक्षा को किसी भी प्रकार की चुनौती का जवाब निर्णायक बल से दिया जाएगा।''

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पिछले साल छह-सात मई की दरमियानी रात को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए गए

ओडिशा के उपमुख्यमंत्री के.वी. सिंह देव ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल जवाबी कार्रवाई नहीं था, बल्कि यह स्पष्ट संदेश था कि भारत की आतंकवाद को बिल्कुल न बर्दाश्त करने की नीति है।

रथ अगर मेरे निजी सहायक नहीं होते तो शायद उनकी हत्या नहीं होती : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि चंद्रनाथ रथ अगर उनके निजी सहायक के तौर पर काम नहीं करते तो शायद उनकी हत्या नहीं होती। उन्होंने भरोसा जताया कि पुलिस हमलावरों को गिरफ्तार कर लेगी। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि रथ की हत्या में सुपारी लेकर हत्या करने वाले संलिप्त थे। उन्होंने दावा किया कि रथ की किसी से कोई राजनीतिक दुश्मनी नहीं थी।

रथ के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक स्थान पूर्वी मेदिनीपुर जिले के चांदीपुर ले जाते समय शुभेंदु ने कहा कि ''भारतीय वायु सेना के पूर्व कर्मी रथ की हत्या मेरे साथ उनके संबंध के कारण हुई है''। शुभेंदु बारासात स्टेट जनरल अस्पताल में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे, जहां रथ के शव का पोस्टमार्टम किया गया। भाजपा नेता ने कहा, ''अगर भारतीय वायु सेना का पूर्व जवान मेरा निजी सहायक न होता और मैं भवानीपुर से चुनाव न जीता होता, तो शायद उसकी जान न जाती। उसकी एकमात्र गलती यह थी कि वह शुभेंदु अधिकारी का निजी सहायक था। उसकी जान लेने के लिए उस पर पांच गोलियां चलाई गईं।'' भाजपा के पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अपराह्न करीब तीन बजे शव वाहन के चांदीपुर के लिए रवाना होने से पहले रथ को श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तर 24 परगना जिले के मध्यग्राम में बुधवार रात को रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सशस्त्र उग्रवादियों ने मणिपुर के कामजोंग जिले में घरों को आग लगाई

इंफाल/भाषा। हथियारों से लैस उग्रवादियों ने बृहस्पतिवार तड़के भारत-म्यांमा सीमा के पास मणिपुर के कामजोंग जिले के गांवों पर हमला किया, घरों में आग लगा दी और निवासियों को भागने के लिए मजबूर कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, उग्रवादियों ने तड़के करीब चार बजे कसोम खुल्लेन पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तांगखुल नगा गांवों -- नामली, वांगली और चोरो पर हमला किया, जिसके कारण सीमावर्ती बस्तियों के निवासियों को पास के जंगलों में शरण लेनी पड़ी। ये गांव अंतरराष्ट्रीय सीमा से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित हैं।

अधिकारियों ने बताया कि हमले के दौरान भागने की कोशिश में एक बुजुर्ग महिला घायल हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, नामली में दो घर, वांगली में तीन-चार घर और चोरो में एक चर्च को छोड़कर कई घर जलकर खाक हो गए।

बाद में असम राइफल्स सहित सुरक्षा बल स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। फुंग्यार के विधायक एल. कीशिंग ने आरोप लगाया कि यह हमला सीमा पार से म्यांमा स्थित उग्रवादी समूहों कुकी नेशनल आर्मी (बर्मा) और पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) द्वारा किया गया। कीशिंग ने संवाददाताओं से कहा, ''अब तक राज्य में आंतरिक संघर्ष चल रहे थे, लेकिन आज बाहरी आक्रमण हुआ है। कुकी नेशनल आर्मी-बर्मा और पीपुल्स डिफेंस फोर्स के संयुक्त बल ने चार-पांच सीमावर्ती गांवों पर हमला किया।'' नगा पीपुल्स फ्रंट के विधायक ने दावा किया, ''कई घर जलकर खाक हो गए, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ है। एक महिला समेत दो लोग लापता हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्हें सशस्त्र उग्रवादियों ने अगवा कर लिया है।'' विधायक ने इसे ''बाहरी आक्रमण'' बताते हुए कहा कि राज्य और केंद्र सरकार, दोनों को इस मामले पर चुप नहीं रहना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, ''इलाके में मणिपुर पुलिस की तैनाती नहीं है।''

अधिकारी के सहयोगी की हत्या पर चिराग ने कहा, 'बंगाल की जनता ने हिंसा की राजनीति के खिलाफ मतदान किया'

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी की हत्या की बृहस्पतिवार को निंदा करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में ''इसी हिंसा की राजनीति'' के खिलाफ मतदान किया है।

अधिकारी के कार्यकारी सहायक चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे कोलकाता के बाहरी इलाके में मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावरों ने पहले उनकी कार को रुकवाया था। संवाददाताओं से पासवान ने कहा, ''यह बेहद पीड़ादायक और शर्मनाक है। बंगाल की जनता ने हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में इसी हिंसा की राजनीति के खिलाफ मतदान किया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि हत्या को ''तृणमूल कांग्रेस के गुंडों'' ने अंजाम दिया है।

शुभेंदु के सहयोगी की हत्या से बंगाल में चुनाव बाद हिंसा की आशंका बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का नतीजा सत्ता परिवर्तन के रूप में सामने आने के महज 48 घंटे बाद वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या ने राज्य को ऐसी स्थिति में धकेल दिया है जहां चुनाव बाद की हिंसा के लोकतांत्रिक परिवर्तन पर भारी पड़ने का खतरा पैदा हो गया है।

भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद छिटपुट झड़पों के रूप में जो शुरू हुआ था, वह अब तेजी से एक बड़े टकराव का रूप ले चुका है, जिसमें भय, प्रतिशोध का विमर्श और राजनीतिक रूप से संवेदनशील जिलों में क्षेत्रीय वर्चस्व की लड़ाई शामिल है।

बंगाल में अपनी पहली सरकार बनाने की तैयारी कर रही भाजपा के लिए यह हत्या एक चुनौती होने के साथ-साथ एक राजनीतिक अवसर भी है।

चुनौती भावनात्मक रूप से आवेशित भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से जवाबी हिंसा को रोकने की है जबकि अवसर भगवा खेमे के लंबे समय से चले आ रहे इस आरोप को पुष्ट करने का है कि तृणमूल शासन के तहत धमकियां, लक्षित हमले और मजबूत स्थानीय सत्ता नेटवर्क बंगाल की राजनीति में हिंसा की संस्कृति को दर्शाते रहे हैं।

घटना को ''पूर्व नियोजित'' बताते हुए, अधिकारी ने आरोप लगाया कि उनके करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की मध्यग्राम में गोली मारकर हत्या करने से पहले कई दिन तक उनकी रेकी की गई।

बुधवार देर रात अस्पताल पहुंचने के बाद अधिकारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, ''यह दिल दहला देने वाला है। उन्होंने उसका पीछा किया और उसे मार डाला।'' उन्होंने इसके साथ ही समर्थकों से अपील की कि वे ''कानून को अपने हाथ में न लें''।

इस अपील से ही भाजपा नेतृत्व के भीतर व्याप्त चिंता का व्यापक स्वरूप झलकता है।

हत्या के कुछ ही घंटों के भीतर, जिलों में पार्टी के संगठनात्मक नेटवर्क के माध्यम से, विशेष रूप से उत्तर 24 परगना और पूर्वी मेदिनीपुर में, जहां अधिकारी का काफी प्रभाव है, आक्रोश तेजी से फैल गया।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने निजी तौर पर इस बात की आशंका जताई कि अगर इस स्थिति को राजनीतिक रूप से नियंत्रित नहीं किया गया तो इससे स्वतःस्फूर्त प्रतिशोध भड़क सकता है। पार्टी के एक नेता ने कहा, ''यह हत्या का कोई सामान्य मामला नहीं है। यह राजनीतिक आतंकवाद है।'' उन्होंने ''पुरानी व्यवस्था'' पर नई सरकार के सत्ता संभालने से पहले भय का माहौल पैदा करने की कोशिश का आरोप लगाया गया। रथ कोई साधारण कार्यकर्ता नहीं थे, बल्कि भाजपा की चुनाव मशीनरी में गहराई से शामिल व्यक्ति थे। वह बंगाल में पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार और तृणमूल कांग्रेस विरोधी सबसे जुझारू चेहरे शुभेंदु अधिकारी के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे।

राजनीतिक विश्लेषक सुभोमोय मोइत्रा ने कहा, ''यह बंगाल की राजनीति का सबसे संवेदनशील दौर है – एक शासन के पतन और दूसरे के सत्ता में आने के बीच का समय। इस दौरान होने वाली हर हिंसक घटना प्रतीकात्मक महत्व रखती है।''

चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद से कई जिलों से पार्टी कार्यालयों पर हमले, तोड़फोड़, धमकी और झड़पों की खबरें सामने आई हैं।

तृणमूल ने बंगाल में 'माफिया संस्कृति' को बढ़ावा दिया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या के बाद बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस पर ''माफिया संस्कृति'' और ''महाजंगल राज'' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात करीब 10:30 बजे मध्यग्राम के डोलतला के पास मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावरों ने रथ (42) के वाहन को रोककर उन्हें बेहद करीब से गोली मारी और फिर फरार हो गए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद की हिंसा ''संस्थागत'' रूप ले चुकी है और दावा किया कि जब भी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को चुनावों में शिकस्त मिलती है, भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को निशाना बनाया जाता है। पूनावाला ने आरोप लगाया, ''शुभेंदु अधिकारी जी के पीए की हत्या टीएमसी द्वारा पिछले 15 वर्षों में स्थापित महाजंगल राज का परिणाम है। चुनाव बाद की हिंसा को जिस तरह से संस्थागत बना दिया गया है, चाहे वह 2021 में हो या अब, वह लक्षित हत्या को प्रदर्शित करता है। शुभेंदु अधिकारी जी के पीए की जान लेने की साजिश रची गई थी।''

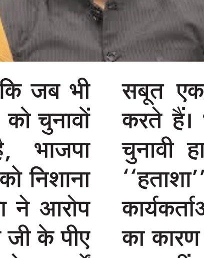

उन्होंने दावा किया कि अब तक सामने आये सबूत एक साजिश की ओर इशारा करते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि चुनावी हार को लेकर टीएमसी की ''हताशा'' भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ लक्षित हमलों का कारण बन रही है।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने हत्या की निंदा की और अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने इस घटना को ''सुनियोजित राजनीतिक हत्या'' बताया और दावा किया कि इसका मकसद राज्य में अस्थिरता पैदा करना है। उन्होंने बारासात अस्पताल में संवाददाताओं से कहा, ''यह एक लक्षित हमला था।'' इस अस्पताल में रथ का पोस्टमार्टम किया गया। बुधवार को उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट इलाके में भाजपा नेता रोहित रॉय की गोली मारकर हत्या किए जाने का जिक्र करते हुए, पूनावाला ने आरोप लगाया कि इस घटना से टीएमसी की ''माफिया संस्कृति'' और भी उजागर होती है। पूनावाला ने इस मुद्दे पर कांग्रेस समेत विपक्षी दलों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।

सुविचार

ऊँचे ख्वाबों के लिए दिल की गहराई से काम करना पड़ता है, यूँ ही नहीं मिलती सफलता, मेहनत की आग में दिन-रात जलना पड़ता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बंगाल को यह क्या बना दिया दीदी?

पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा का तांडव देखने को मिल रहा है। पिछले चुनावों की तुलना में इस बार हिंसा कम हुई, लेकिन अपराधी तत्त्वों ने अपना रंग दिखा ही दिया। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के सहयोगी की जिस तरह हत्या की गई, उससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि प. बंगाल में अपराधी बेखौफ हैं। इससे पहले, भाजपा के एक नवनिर्वाचित विधायक के भाई की हत्या कर दी गई थी। उत्तर 24 परगना जिले के पनिहाटी में एक धमाके में भाजपा के पांच समर्थक घायल हो गए। ममता दीदी, आपने प. बंगाल को यह क्या बना दिया? महान संतों, सुधारकों, विद्वानों और स्वतंत्रता सेनानियों की धरती पर अराजकता का यह नाच क्यों हो रहा है? ममता बनर्जी ने अपने डेढ़ दशक के शासन के बाद प. बंगाल को किस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया? इस राज्य से जैसी तस्वीरें आ रही हैं, वैसी पहले कश्मीर से आती थीं। ऐसा लगता है कि प. बंगाल में जो गुंडे-बदमाश अब तक कहीं खामोश बैठे थे, उनकी रस्सी खोल दी गई है। वे अनियंत्रित होकर मनमर्जी से लोगों को सींग मार रहे हैं। ये घटनाएं केंद्रीय गृह मंत्रालय और प. बंगाल की नई सरकार के लिए भी खास संकेत हैं। इस राज्य में कानून-व्यवस्था की हालत खराब है। अगले पांच वर्षों में अपराधियों के गठजोड़ को तोड़ना होगा। ऐसी सख्त कार्रवाई करनी होगी कि या तो बदमाश सुधर जाएं या जेल जाएं। आम आदमी निर्भय होकर रहे, इसके लिए पुलिस तंत्र में कई सुधार करने होंगे। अधिकारियों को जवाबदेह बनाना होगा। प. बंगाल में जो माहौल बनाया गया है, वह व्यापार के अनुकूल नहीं है। अस्सी के दशक में कोलकाता में रेस्टोरेंट का संचालन कर चुके एक राजस्थानी शख्स बताते हैं कि इस अवधि में सिर्फ सरकारें बदली हैं, प. बंगाल के हालात नहीं बदले हैं। उस ज़माने में भी अपराधी बेलगाम थे। वे झुंड बनाकर रेस्टोरेंट में आते, भर-भरकर थालियां चट करते और जाते समय गोली मारने की धमकी देते थे।

एक बार जब उनसे रुपए मांगे गए तो उन्होंने रेस्टोरेंट में जमकर तोड़फोड़ की। वे दावा करते थे कि एक राजनीतिक दल से जुड़े हुए हैं और हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। हर व्यापारी उनकी नजरों में एक शोषक प्राणी था। उनसे परेशान होकर कई लोगों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए और अन्य राज्यों में चले गए। इससे स्थानीय श्रमिक बेरोजगार हो गए। तृणकां पर आरोप लगते रहे हैं कि उसके सत्ता में आते ही कई अपराधी उसके झंडे तले आकर और ज्यादा ताकतवर हो गए। जो पहले लोगों को डराते-धमकाते थे, वे और ज्यादा खूंखार हो गए। इन आरोपों को नकारा जा सकता है, लेकिन इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि तृणकां के शासन में कानून-व्यवस्था में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ। अगर सुधार होता तो आज इतनी हिंसा नहीं होती। ममता बनर्जी चाहतीं तो सुधारों की एक स्वस्थ परंपरा विकसित कर सकती थीं, पिछली सरकारों के कार्यकाल में हुईं गलतियों को ठीक कर सकती थीं। उन्होंने तो चुनाव हारने के बाद एक ऐसी परंपरा की नींव डालने की कोशिश की, जो हमारे लोकतंत्र के लिए अशुभ है। इस्तीफा न देने की जिद ने भविष्य में कई नेताओं के लिए ड्रामेबाजी के रास्ते खोल दिए हैं। वे भी यह कुतर्क देकर इस्तीफा देने से आनाकानी कर सकते हैं कि 'ईवीएम में गड़बड़ थी, हम हारे नहीं हैं, हमें तो गलत तरीके से हराया गया है।' कई अपराधी यह कहकर जेल जाने से इन्कार कर सकते हैं कि 'कानूनी प्रावधान गलत हैं, क्योंकि वे हमें बुरा व्यक्ति मानते हैं ... हमारे गिरोह के सदस्यों से पूछें, उनकी नजरों में हम भले हैं ... हम फंसे नहीं हैं, हमें फंसाया गया है।' क्या किसी राज्य का शासन ऐसे चल सकता है? ममता के अड़ियल रवैए ने लोकतंत्र को लज्जित किया है। जो कभी संविधान बचाने की बड़ी-बड़ी बातें करते थे, अब वे खुद उसका सम्मान नहीं कर रहे हैं।

ट्वीटर टॉक

इंडियन आर्मी की असाधारण बहादुरी के प्रतीक 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली सालगिरह पर, देश की रक्षा के लिए हर पल समर्पित सेना के जवानों और अधिकारियों को सलाम। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत का साहसिक और सक्रिय जवाब था।

-ओम बिरला

जापान में भारत की एम्बेसडर के साथ एक अच्छी और दिलचस्प मीटिंग हुई। हमारी बातचीत टूरिज्म, कल्चर, आर्ट और हेरिटेज से जुड़े सहयोग के ज़रिए भारत-जापान के रिश्ते को मज़बूत करने पर फोकस थी, साथ ही जापान में राजस्थान की पहुँच को और गहरा करने के मौकों पर भी।

-दिया कुमारी

प्रतापगढ़ जिले की ग्राम पंचायत बंबोरी में आयोजित ग्राम विकास चौपाल में महिलाओं, युवाओं, किसानों और बुजुर्गों से गहरी बातचीत हुई और जनकल्याणकारी योजनाओं, रोजगार, खेती और विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सौगात का बोझ

एक दिन खोजा फकीर के पास रोजाना किस्से सुनने के लिए आने वाले लोगों ने उनसे कहा, 'आप सदा हमें कुछ न कुछ देते हो। हम चाहते हैं कि अपनी श्रद्धा अनुसार आपको भी कुछ भेंट दें।' खोजा बोले, 'तो देर क्यों करते हो? जो देना है, कल ले आओ।' अगले दिन सभी लोग अपनी भेंट लेकर खोजा के पास आए। खोजा ने चीजों पर नजर डाली और हंसकर बोले, 'ओहो, तुमने भी वही भूल की।' लोग बोले, 'कौन सी भूल?' खोजा ने उत्तर दिया, 'एक बार किसी सूफी के पास भी लोग इसी तरह भेंट लेकर पहुंचे थे। उनमें से काफी लोगों ने अपनी-अपनी सौगातों पर अपना नाम लिख रखा था, ताकि सूफी जान जाए कि किसने कितनी कीमती सौगात दी है। पर कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने अपनी सौगात पर नाम नहीं लिखा था। सूफी ने बिना नाम वाली सौगातें ले ली और नाम वाली सौगातें लौटा दी।' लोगों ने कारण पूछा, तो सूफी ने कहा, 'किसी को सौगात देना एक अच्छी आदत है, लेकिन अपने नाम के साथ सौगात देकर हम सौगात लेने वाले पर एक बोझ लाद देते हैं। और वह सौगात किस काम की, जो लेने वाले पर बोझ बन जाए?' किस्सा सुनाकर खोजा तो हंसे, लेकिन सौगात देने वालों के चेहरे उतर गए।

सामयिक

> ममता बनर्जी का राजनीतिक जीवन सदैव संघर्षपूर्ण रहा है। वह अपनी जुझारू छवि और आंदोलनों के लिए जानी जाती रही हैं। रेल मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल से लेकर सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलनों तक उनकी एक विशेष पहचान रही है। परंतु आलोचकों का तर्क है कि सत्ता में लंबे समय तक रहने के बाद उनकी वही संघर्षशील शैली अब संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध एक ढाल के रूप में उपयोग की जाने लगी है।

चुनाव हारने के बाद ममता दीदी की ओछी राजनीति

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

पश्चिम बंगाल की पावन धरती पर 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद जो दृश्य उभरा है वह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक अत्यंत जटिल और अभूतपूर्व अध्याय के रूप में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2011 में जब ममता बनर्जी ने 34 वर्षों के सुदृढ़ वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका था तब इसे एक बड़े परिवर्तन के रूप में देखा गया था। उस समय उन्होंने स्वयं को निर्धन वर्ग, कृषकों और बंगाल की अस्मिता के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया था। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा कि 15 वर्षों के उनके शासन के पश्चात 2026 में जनता ने एक ऐसा निर्णय सुनाया जिसने सत्ता के गलियारों को हिलाकर रख दिया। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक शक्ति का परिचय देते हुए 294 निर्वाचन क्षेत्रों में से 20% क्षेत्रों पर विजय प्राप्त कर स्पष्ट बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर लिया। दूसरी ओर राज्य में लंबे समय से शासन कर रही तृणमूल कांग्रेस मात्र 80 स्थानों पर सिमट कर रह गई। यह परिणाम न केवल चौंकाने वाला था अपितु इसने राज्य की राजनीतिक दिशा को पूरी तरह से बदल दिया। इस बार मतदान का स्तर 92.93 प्रतिशत तक पहुंच गया जो बंगाल के निर्वाचन इतिहास में अब तक का सर्वाधिक मतदान माना जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का घर से बाहर निकलना इस बात का संकेत था कि जनता के मन में परिवर्तन की तीव्र आकांक्षा थी।

जैसे ही चुनाव परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित हुए राज्य में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का एक ऐसा दौर आरंभ हुआ जिसने पूरे राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। विपक्षी दलों और राजनीति के जानकारों ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करने के स्थान पर टकराव का मार्ग चुन लिया है। निर्वाचन परिणामों के तत्काल पश्चात उन्होंने जो वक्तव्य दिया उसने एक नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह उनकी हार नहीं है बल्कि एक सुनियोजित षड्यंत्र की जीत है। उन्होंने भारत के निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हुए दावा किया कि लगभग 100 निर्वाचन क्षेत्रों में जनादेश को लूटा गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रों की विश्वसनीयता पर भी संदेह व्यक्त किया। उनके अनुसार कई मतदान यंत्रों में विद्युत संचय की क्षमता अर्थात बैटरी का स्तर असामान्य रूप से 99 प्रतिशत पाया गया जो उनकी दृष्टि में किसी बड़ी गड़बड़ी का संकेत था। उन्होंने इस पूरे चुनाव को एक पूर्व निर्धारित खेल की संज्ञा दी जिसे सुनकर विपक्षी खेमे में भारी रोष व्याप्त हो गया। राजनीतिक विश्लेषकों का तर्क था कि यदि चुनाव प्रक्रिया में कोई विसंगति थी तो उसके लिए निर्धारित कानूनी और संवैधानिक मंच उपलब्ध हैं लेकिन सार्वजनिक रूप से पूरी लोकतांत्रिक संस्था पर प्रश्न उठाना जनमत का अनादर करने जैसा है। विवाद उस समय और अधिक गहरा गया जब ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री के पद से त्यागपत्र देने से स्पष्ट मना कर दिया। संसदीय लोकतंत्र की यह एक स्थापित मर्यादा रही है कि जब कोई सरकार विधानसभा में अपना बहुमत खो देती है तो वह नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तत्काल पद छोड़ देती है। परंतु ममता बनर्जी ने तर्क दिया कि वह एक राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं और वह तब तक पद नहीं छोड़ेंगी जब तक कि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो जाती। इस निर्णय ने एक गंभीर संवैधानिक संकट को जन्म दिया। देश के प्रमुख संवैधानिक विशेषज्ञों ने इस पर चिंता व्यक्त की कि यदि निर्वाचन आयोग ने नई विधानसभा के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है तो निवर्तमान सरकार का पद पर बने रहना अनैतिक और अवैध हो सकता है। राज्यपाल और मुख्यमंत्री के मध्य खिंचाव की स्थिति उत्पन्न होने लगी और राज्य का प्रशासन अनिश्चितता के भंवर में फंस गया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने इसे लोकतंत्र की हत्या और सत्ता के प्रति मोह बताया। उनका कहना था कि जब जनता ने स्पष्ट रूप से परिवर्तन के लिए मत दिया है तो सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होना चाहिए।

इस चुनाव का सबसे संवेदनशील पहलू ममता बनर्जी की अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से हारना रहा। इसी क्षेत्र ने उन्हें पहले भी कई बार बड़ी जीत दिलाकर उनके राजनीतिक कद को ऊँचा किया था। इस बार उनकी व्यक्तिगत हार ने उनके नेतृत्व पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिए। अपनी हार पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मतगणना के अंतिम चरणों में धांधली की गई और उनके मतों की चोरी हुई। उनके इन आरोपों ने निर्वाचन अधिकारियों और प्रशासनिक अमले को भी विवादों में खींच लिया। विपक्ष ने पलटवार करते हुए कहा कि हार स्वीकार करने की राजनीतिक संस्कृति का ह्रास हो रहा है जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। चुनाव के पश्चात राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा और तनाव की सूचनाएं भी प्राप्त हुईं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के मध्य हिंसक झड़पें, सार्वजनिक संपत्तियों को क्षति पहुँचाना और विरोध प्रदर्शनों ने जनजीवन को प्रभावित किया। प्रशासन को स्थिति नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की सहायता लेनी पड़ी।

तृणमूल कांग्रेस के भीतर भी इस हार के बाद असंतोष की ज्वाला भड़क उठी। पार्टी के कई पुराने नेताओं और सांसदों ने दबी जुबान में नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाए। पूर्व सांसद जवाहर सरकार जैसे अनुभवी व्यक्तियों ने यह संकेत दिया कि पार्टी के भीतर चापलूसी और भ्रष्टाचार ने अपनी जड़ें गहरी कर ली थीं। उन्होंने यह भी कहा कि जमीनी कार्यकर्ताओं की निरंतर उपेक्षा की जा रही थी और वास्तविक स्थिति को शीर्ष नेतृत्व से छुपाया गया। विश्लेषकों का मानना है कि इस भारी पराजय के पीछे तीन प्रमुख कारण रहे हैं। प्रथम कारण निरंतर 15 वर्षों तक सत्ता में रहने के कारण उत्पन्न हुआ असंतोष था। द्वितीय कारण स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार और अवैध वसूली जैसे गंभीर आरोप थे जिन्हें भारतीय जनता पार्टी ने अपने अभियान का मुख्य केंद्र बनाया। तृतीय कारण पार्टी के भीतर संगठनात्मक कमजोरी थी जो विपक्षी लहर का सामना करने में विफल रही। भाजपा ने इन कमजोरियों का लाभ उठाते हुए एक आक्रामक चुनावी अभियान चलाया और जनता को एक नए विकल्प का विश्वास दिलाया।

ममता बनर्जी का राजनीतिक जीवन सदैव संघर्षपूर्ण रहा है। वह अपनी जुझारू छवि और आंदोलनों के लिए जानी जाती रही हैं। रेल मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल से लेकर सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलनों तक उनकी एक विशेष पहचान रही है। परंतु आलोचकों का तर्क है कि सत्ता में लंबे समय तक रहने के बाद उनकी वही संघर्षशील शैली अब संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध एक ढाल के रूप में उपयोग की जाने लगी है। राज्यपाल, निर्वाचन आयोग और केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ उनका निरंतर टकराव उनकी इसी प्रवृत्ति को दर्शाता है। दूसरी ओर उनके समर्थकों का एक बड़ा वर्ग आज भी उनके साथ खड़ा है। उनका मानना है कि ममता बनर्जी ने सदैव केंद्र के कथित हस्तक्षेप के विरुद्ध बंगाल की स्वायत्तता की रक्षा की है। समर्थकों का तर्क है कि लोकतंत्र में किसी भी विसंगति पर प्रश्न उठाना एक अधिकार है और इसे सत्ता के मोह के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वे यह भी कहते हैं कि इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब विभिन्न राजनीतिक दलों ने हार के पश्चात चुनाव प्रक्रिया पर संदेह व्यक्त किया है।

अंततः 2026 के इन निर्वाचन परिणामों ने बंगाल की राजनीति को एक ऐतिहासिक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। जिस परिवर्तन की लहर पर सवार होकर ममता बनर्जी 2011 में सत्तासीन हुई थीं आज वही लहर उनके विरुद्ध बहती दिखाई दी। चुनाव के बाद का यह घटनाक्रम, त्यागपत्र न देने की हठधर्मिता और संवैधानिक प्रक्रियाओं पर अविश्वास ने देश के बुद्धिजीवियों के मध्य एक व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या राजनीति में व्यक्तिगत संघर्ष की गरिमा संवैधानिक मर्यादाओं से ऊपर हो सकती है। लोकतंत्र में हार और जीत की अपनी एक गरिमा होती है और किसी भी बड़े राजनेता की परिपक्वता का परीक्षण उस समय होता है जब वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जनमत का सम्मान करता है। पश्चिम बंगाल के इस घटनाक्रम ने न केवल राज्य के भविष्य बल्कि भारतीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली और राजनीतिक आचरण पर भी कई मौलिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं जिनका उत्तर भविष्य की राजनीति ही दे पाएगी। 294 निर्वाचन क्षेत्रों वाली इस विधानसभा में अब नई शक्ति का उदय हो चुका है और बंगाल की जनता अब यह देख रही है कि आने वाले समय में उनके अधिकारों और राज्य के विकास की दिशा क्या होगी।

नजरिया

युद्ध-सुरक्षा परियोजना पर कांग्रेस की काली नजर

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

महान निकोबार ढांचागत परियोजना के विकास पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गलतबयानी करके इस परियोजना को घोटाला करार देते हुए पर्यावरण और आदिवासी समुदायों के खिलाफ बता दिया। किंतु इस परिप्रेक्ष्य में भारतीय सेना के पूर्व एयर चीफ मार्शल राकेश कुमार सिंह भदौरिया ने करारा जबाव देते हुए इस विकास को सामरिक महत्व के साथ होर्मुज स्ट्रेट का विकल्प भी बता दिया। भदौरिया का कहना है कि भारत के लिए इस क्षेत्र में सैन्य रणनीतिक उपस्थिति तय करना अत्यंत आवश्यक है। यह होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने की स्थिति में जहाजों की आवाजाही का विकल्प बन सकता है। दरअसल राहुल गांधी ने हाल ही में निकोबार द्वीप का भ्रमण किया था। जहां वे निकोबारी समुदाय के नेताओं से भी मिले। इन नेताओं ने इस महान संरचनात्मक परियोजना को लेकर चिंता जताई थी। क्योंकि इस परियोजना के प्रभाव में कुछ आदिवासी समुदाय आ रहे हैं। याद रहे इससे पहले सोनिया गांधी ने परियोजना पर नाराजगी जताते हुए अंग्रेजी अखबार में लिखे एक लेख में कहा था, शोम्पेन और निकोबारी जनजातियों का अस्तित्व इस परियोजना के चलते दांव पर है।

दूरांचल में समुद्र तटीय क्षेत्रों में भारत विकास की दृष्टि से पीछे रहा है। उन तटीय क्षेत्रों पर भी हमने ध्यान नहीं दिया, जो देश के लिए नई आर्थिक और चीन जैसे धोखेबाज देश से चुनौती के लिए सामरिक दृष्टि से अहम हो सकते हैं। महान निकोबार अर्थात अंडमान-निकोबार द्वीप समूह इस नाते अछूता है। इस परिप्रेक्ष्य में हम इस क्षेत्र को एक तो प्रसिद्ध सेल्यूलर जेल के नाम से जानते हैं, जो अब राष्ट्रीय स्मारक है। दूसरे उन जनजातियों के लिए जानते हैं, जो आज भी भारत की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पाई हैं। नतीजतन अपनी परंपरागत प्राकृतिक अवस्था में रहकर प्रकृति से ही गुजर-बसर कर रही हैं। किंतु अब इस उपेक्षित क्षेत्र की तस्वीर बदलने

जा रही है। सिंगापुर की तर्ज पर निकोबार के तट का विकास केंद्र सरकार बड़ी मात्रा में धन का निवेष करके महान निकोबार द्वीप परियोजना (जीएनआई) के अंतर्गत कर रही है। 92 हजार करोड़ की इस बृहद परियोजना के तहत कई परियोजनाओं को अंजाम तक पहुंचाने की तैयारी है।

निकोबार द्वीप समूह 10 हजार 44 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है। बंगाल की खाड़ी में पोत परिवहन को नया आयाम देते हुए 10 हजार करोड़ रुपए की लागत से एक पोतांतरण बंदरगाह (ट्रांसशिपमेंट पोर्ट) का निर्माण करने की योजना प्रस्तावित है। यह बंदरगाह विकास से जुड़ी गतिविधियों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित होगा। इस बंदरगाह को समुद्री जल मार्ग की प्रमुख गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। वैसे भी यह क्षेत्र दुनिया के कई पोतांतरण बंदरगाहों की तुलना में काफी प्रतिस्पर्धा दूरी पर स्थित है। बदलती जरूरतों के परिप्रेक्ष्य में पूरी दुनिया यह मानकर चल रही है कि जिस देष में हवाई अड्डों और बंदरगाहों का नेटवर्क और कनेक्टिविटि जितनी बेहतर होगी, इक्कीसवीं सदी के व्यापार में वही देश अग्रणी रहेंगे।

महान अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का निकोबार क्षेत्र आरक्षित जैवमंडल (बायोस्फीयर) क्षेत्र में आता है। इसे 2013 में विशेष जैवमंडल का दर्जा दिया गया था। भारत में कुल 18 जैवमंडल क्षेत्र हैं, उनमें से एक निकोबार जनजातीय (आदिवासी) आरक्षित वन-भूमि की श्रेणी में है। इस समुद्री क्षेत्र में विशेष प्रजाति के लैदरबैक कछुए, खारे पानी में रहने वाले मगरमच्छ, निकोबारी केकड़े खाने वाले मकाक और प्रवासी पक्षी शामिल हैं। जिनका इस बहुआयामी विकास परियोजना से प्रभावित होना तय है। इस कारण पर्यावरणविद यह आशंका जता रहे हैं कि इससे यहां के प्राचीन वर्षा वनों को भारी क्षति होगी। इन्हें हानि होगी तो कई दुर्लभ प्राणी व वनस्पतियों की प्रजातियां और इस भू-भाग का मानसून भी प्रभावित होगा।

इसके तहत सैन्य-नागरिक उपयोग के लिए आवागमन के श्रेष्ठ उपाय किए जा रहे हैं। यहां के अधिकतर विकास कार्य भी नौसेना के नियंत्रण में होने हैं। महान निकोबार द्वीप देश के सुदूर और दुर्गम क्षेत्र का दक्षिणी भाग है। यहां से बंगाल की खाड़ी, दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशियाई सागर क्षेत्र में भारत को सामरिक और व्यापारिक दृश्टि से महत्वपूर्ण व उपयोगी नियंत्रण की सुविधा इस क्षेत्र के संपूर्ण विकास के बाद हासिल हो जाने की उम्मीद है। दरअसल इसी दक्षिण सागर में चीन का जबरदस्त हस्तक्षेप है। चीन का प्रमुख व्यापार और साम्राज्यवादी दबदबा इसी मलक्का जलडमरू मध्य में सबसे ज्यादा है। लंका तो यहां से निकट है ही, इंडोनेशिया का सुमात्रा द्वीप भी बमुश्किल 90 किमी की दूरी पर है। यह स्थल मलक्का जलडमरू मध्य के पष्चिमी प्रवेष द्वार के करीब है। खाड़ी से तेल ले जाने वाले और पष्चिम में वस्तुओं का निर्यात करने वाले चीनी जहाज मलक्का जलडमरू मध्य से ही गुजरते हैं। अतएव निकोबार द्वीप पर सैन्य सामग्री व युद्धपोतों को रखने एवं बनाने के लिए डॉकयार्ड भी यहां बनाए जा सकते हैं।

इस क्षेत्र को सैन्य हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। याद रहे, फ्लोरिडा में पाकिस्तान के एयर चीफ मार्शल आसिम मुनीर 9 अगस्त 2025 को कहा था कि अगली बार पाकिस्तान पूर्वी मोर्चे से लड़ाई शुरू करेगा, क्योंकि वहां भारत ने अपने कीमती संसाधन स्थापित किए हुए हैं। साफ है, यह क्षेत्र अति संवेदनशील है। यहां के मानचित्र को देखें तो इस 3416 किमी लंबे पूर्वी समुद्री तट पर बंगाल की खाड़ी से सटी बांग्लादेश की 600 किमी लंबी समुद्री सीमा है। इसके बाद म्यांमार की 2227 किमी लंबी समुद्री सीमा जुड़ी है। फिर थाईलैंड है। इसके दक्षिण में अंडमान-निकोबार सागर मलक्का के संकीर्ण मार्ग से होकर प्रशांत महासागर में पहुंचता है। हम जानते हैं कि बांग्लादेश और म्यांमार ही वे देश हैं, जहां से बांग्लादेशी मुस्लिम और म्यांमार के रोहिंग्यों ने सबसे ज्यादा घुसपैठ करके सीमांत जिलों का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगाड़ दिया है, यहीं चीन का दबदबा बना रहता है। हालांकि अब असम और बांग्लादेश में भाजपा की जीत से तय है कि घुसपैठ पर तो अंकुश लगेगा ही, आए घुसपैठियों को भी खदेड़ने का सिलसिला षुरू होगा। साफ है, इस बहुउद्देशीय परियोजना का विकास भारत की सामरिक रणनीति का हिस्सा है। देश की जनता के समक्ष सवाल उठता है कि देश की रक्षा के साथ कौन खड़ा है ?

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

नोरा फतेही ने महिला आयोग के सामने मांगी माफी

नई दिल्ली/एजेन्सी

कन्नड़ फिल्म 'केडी द डेविल' के गाने 'सरके चुनर' में अपनी परफॉर्मेंस को लेकर विवादों में घिरीं अभिनेत्री नोरा फतेही गुरुवार को राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुईं। आयोग के समक्ष अभिनेत्री ने अपनी बात रखते हुए न केवल गलती स्वीकार की बल्कि भविष्य के लिए एक बड़ा फैसला भी लिया। नोरा ने राष्ट्रीय महिला आयोग के बाहर मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना या महिलाओं की छवि को गलत तरीके से पेश करना नहीं था। नोरा ने कहा, मैं अपने किए पर माफी मांगती हूं, मेरा उद्देश्य किसी की भी भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। मैं बस एक ऐसी स्थिति में फंस गई थी, जहां चीजें विवादित हो गईं। एक कलाकार होने के नाते मुझे जिम्मेदार होना चाहिए, इसलिए मैं तहे दिल से माफी मांगती हूं।

उन्होंने महिला आयोग के सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि आयोग ने उनकी बात को बहुत ही दयालुता और संवेदनशीलता के साथ सुना। नोरा ने कहा, हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई है, सारी बातें लिखित में पूरी कर ली है। अब हमने फैसला किया है कि हमें समाज के लिए भी कुछ अच्छा करना चाहिए। इसी सोच के साथ हमने कुछ अनाथ लड़कियों की पढ़ाई का खर्च उठाने का निर्णय लिया है। धन्यवाद। इससे पहले इसी मामले में संजय दत्त भी 27 अप्रैल को महिला आयोग के सामने पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान संजय दत्त ने भी आयोग से माफी मांगी थी और सामाजिक कल्याण तथा महिला सशक्तीकरण की दिशा में कदम उठाते हुए 50 आदिवासी बच्चियों की पढ़ाई का खर्च उठाने का ऐलान किया था। बता दें कि फिल्म के गाने 'सरके चुनर' के रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोगों की भारी नाराजगी देखने को मिली थी। कई लोगों ने आरोप लगाया था कि इस तरह के गाने अश्लीलता को बढ़ावा देते हैं, जबकि कुछ लोगों ने कलाकारों की सामाजिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़े किए थे। बढ़ते विवाद को देखते हुए आयोग ने नोरा फतेही को नोटिस भेजा और व्यक्तिगत रूप से मौजूद होकर सफाई देने के लिए कहा था।

केरल चुनाव परिणाम सौहार्द की मिसाल, यह असली 'केरल स्टोरी' है : शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम/भाषा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बृहस्पतिवार को केरल विधानसभा चुनाव परिणाम को सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल करार दिया और कहा कि यह एक ऐसा राज्य है जहां मतदाता जाति और धर्म से ऊपर उठकर वोट करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यही असली 'केरल स्टोरी है'

थरूर ने कुछ साल पहले आई एक फिल्म 'द केरल स्टोरी' को लेकर तंज किया, जिसमें केरल में कथित लव जेहाद को लेकर राज्य को नकारात्मक रूप से चित्रित किया गया था।

तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने कहा, हाल के चुनाव परिणामों से एक 'केरल स्टोरी' पर संप्रदायिक लोगों को ध्यान देना चाहिए। मुस्लिम बहुसंख्यक वाले निर्वाचन क्षेत्र थावनूर में एक ईसाई, वीएस जॉय को चुना गया, हिंदू बहुसंख्यक वाले निर्वाचन क्षेत्र कलामासेरी में मुस्लिम उम्मीदवार वीई अब्दुल गफूर को चुना गया और एक ईसाई बहुसंख्यक निर्वाचन क्षेत्र कोच्चि में मुस्लिम उम्मीदवार मुहम्मद शिया को चुना गया।

उनका कहना हे कि पहचान की राजनीति के पक्ष में राष्ट्रीय स्तर के रुझानों का कुछ असर होने के बावजूद केरल सांप्रदायिक सद्भाव का एक मॉडल बना हुआ है और एक ऐसा राज्य है जहां लोग पहले मनुष्य देखते हैं और बाद में उसकी जाति या धर्म देखते हैं।

थरूर ने बाद में एक और पोस्ट किया जब कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने ऐसे उदाहरण की अनुपस्थिति की ओर इशारा किया जहां एक मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्र में किसी हिंदू उम्मीदवार को चुना गया हो। उन्होंने कहा, मैंने देखा है कि कुछ लोगों ने मेरी कहानी में एक गायब लिंक पर टिप्पणी की है, जिसमें एक मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्र में एक हिंदू उम्मीदवार को चुनने का सबूत मांगा गया है। यह हाल ही में त्रिकारिपुर में भी हुआ है, जहां संदीप वेरियर ने यूडीएफ उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की। यह मेरी 'केरल स्टोरी' को मजबूत करने के लिए चौथा उदाहरण है।

मेरे दिल ने जो कहा वह मैंने किया : ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों की सेवा कर बच्चा बना मिसाल

फिरोजपुर/भाषा

भारत द्वारा पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ पिछले साल मई में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पंजाब के दूर-दराज के गांव के एक 11 वर्षीय बच्चे ने सेना की मदद कर पूरे देश को प्रेरित किया और देशभक्ति की मिसाल पेश की।

पंजाब के फिरोजपुर के तरणवाली गांव के शावन सिंह ने लगभग एक साल पहले पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित अपने गांव में तैनात सेना के जवानों की स्वेच्छा से सेवा की, और उन्हें अपने घर से चाय, पानी, दूध और लस्सी लाकर दी।

ऑपरेशन सिंदूर की सालगिरह पर शावन ने कहा कि उसने सिर्फ अपने दिल की बात सुनी। उन्होंने कहा, जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ, तो सैनिक हमारे गांव आए, मुझे लगा कि मुझे उनकी सेवा करनी चाहिए क्योंकि वे हमारे लिए लड़ रहे थे।

गांव में तैनात सैनिकों के बीच शावन पानी, चाय और छाछ के साथ मनमोहक मुस्कान की वजह से अजीज बन गया था।

शावन ने कहा, मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि मुझे इसके लिए सम्मानित किया जाएगा।

शावन के पिता सोना सिंह ने कहा कि परिवार को अब भी विश्वास नहीं हो रहा है कि उनके बेटे को इतना सम्मान मिला है। उन्होंने कहा, हम भारतीय सेना के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने उसे प्रोत्साहित किया और उसके योगदान को सराहा। हमने कभी सोचा भी नहीं था कि हमारा बेटा एक दिन भारत के राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त करेगा और उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का अवसर मिलेगा।

पिता ने बताया कि शावन को विभिन्न कार्यक्रमों और सार्वजनिक आयोजनों में आमंत्रित किया जाता है, लेकिन वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे रहा है और भविष्य में सशस्त्र बलों में शामिल होने का सपना देखता है।

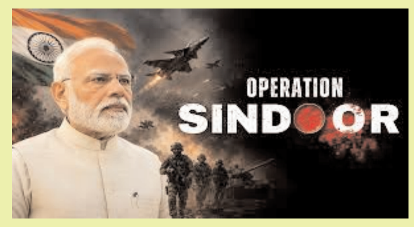

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाकिस्तान तनाव के मद्देनजर शावन के प्रयासों को काफी सराहना मिली। उस समय उसने दुश्मन के ड्रोन हमले और सीमा पार से गोलाबारी के खतरे की परवाह किए बिना अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों की सेवा की और उनके शिविरों में जाकर पानी, छाछ और चाय आदि पहुंचायी।

भीषण गर्मी और तनाव के बावजूद 11 साल के इस बच्चे ने लंबे समय से इलाके में तैनात सैनिकों की सेवा की। उसके इस जज्बे की सेना के अधिकारियों के साथ-साथ ग्रामीणों भी भूरि-भूरि प्रशंसा की। उसकी देशभक्ति की भावना और निस्वार्थ समर्पण को सम्मानित करते हुए सेना की गोल्डन एरो डिवीजन ने उसे सबसे कम उम्र के असैन्य योद्धा के खिताब से नवाजा।

सेना ने पिछले साल जुलाई में शावन की शिक्षा का खर्च भी उठाने का फैसला किया ताकि वित्तीय बाधाएं उसके सपने को पूरा करने में रुकावट न बनें। उसका सपना सेना में शामिल होना है।

पिछले साल दिसंबर में, शावन की प्रेरणादायक सेवा राष्ट्रीय स्तर पर तब चर्चा में आई जब उसे नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' से सम्मानित किया।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, भारतीय सेना ने पिछले साल छह मई की देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और मुरीदके में लश्कर-ए-तैबा का अड्डा शामिल था।

प्रगति और पर्यावरण साथ चलें तभी सुरक्षित होगा भविष्य : रवीना टंडन

मुंबई/एजेन्सी

जयपुर में बुधवार को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक भव्य आयोजन किया गया। श्री कल्पतरु संस्था के 31वें वार्षिक समारोह के अवसर पर 'वृक्ष मित्र सम्मान 2026' का आयोजन किया गया, जिसमें प्रकृति को बचाने के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। इस समारोह में अभिनेत्री रवीना टंडन और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार रहे। समारोह में हिस्सा लेने के लिए रवीना पारंपरिक लुक में नजर आईं।

उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित होकर न केवल विजेताओं का उत्साह बढ़ाया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की। कार्यक्रम के बाद अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी के साथ खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, मुझे ऐसे समारोहों में शामिल होकर प्रसन्नता होती है, क्योंकि यहां से हम सभी को कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। मीडिया और आम जनता के माध्यम से यह संदेश आगे पहुंचाना बहुत जरूरी है कि वृक्ष और प्रकृति हमारे जीवन के लिए कितने अनिवार्य हैं।

उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि विकास की दौड़ में हमें पर्यावरण को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ और सुरक्षित धरती सौंपना हमारा नैतिक कर्तव्य है। जीवन की प्रगति और पर्यावरण का संरक्षण साथ-साथ चलना चाहिए। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से उन लोगों को समर्पित था जो जमीनी स्तर पर पेड़ लगाने और उनके संरक्षण का कार्य कर रहे हैं।रवीना टंडन 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। 'टिप टिप बरसा पानी' और 'मस्त-मस्त' जैसे गाने आज भी लोकप्रिय हैं।

पुलकित और दिव्येंदु की 'गुड़िया' बनीं जन्नत जुबैर

मुंबई/एजेन्सी

बाल कलाकार के रूप में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर जन्नत जुबैर रहमानी ने वेब सीरीज ग्लोरी से ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है। इस सीरीज में उन्होंने अभिनेता पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा की बहन गुड़िया का किरदार निभाया है। जन्नत, इन्फ्लुएंसर होने के साथ-साथ टेलीविजन इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन कई समय से वे ऐसे प्रोजेक्ट की तलाश में थीं, जो उनके अभिनय कौशल को नई दिशा दे। अभिनेत्री का कहना है कि 'ग्लोरी' में उनके द्वारा निभाया गया 'गुड़िया' का किरदार की तलाश में कई समय से थीं। गुरुवार को जन्नत ने इंस्टाग्राम पर सीरीज की बीटीएस तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने नोट लिखा, मैंने सालों तक ऐसे रोल का इंतजार किया, जो मुझे सच में अपना लगे और 'गुड़िया' सही समय पर मेरे पास आ गई। यह मेरा पहला नेटफ्लिक्स और ओटीटी प्रोजेक्ट था, इसलिए मैं हर दिन कुछ नया सीख रही थी।

जन्नत ने बताया कि शूटिंग के दौरान वे हर दिन कुछ नया सीख रही थीं। वे हर सीन को गहराई से महसूस करती थीं और अपना सौ प्रतिशत देती थीं। सीरीज और गुड़िया को मिल रहे प्यार को लेकर अभिनेत्री ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा, शो और गुड़िया को जो प्यार मिल रहा है, वह मेरे लिए बहुत खास है। मुझे देखने और जुड़ने के लिए आप सभी का शुक्रिया। अभिनेत्री ने निर्देशक को खास पर धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, हमारे डायरेक्टर ने सेट पर मुझे सुरक्षित और आरामदायक माहौल दिया, जिससे परफॉर्म करना आसान हो गया।

अभिनेत्री ने अपने सह-कलाकारों पुलकित सम्राट और दिव्येंदु का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, आपकी गर्मजोशी, देखभाल और हर चीज को आरामदायक बनाने के लिए धन्यवाद। पुलकित को खासतौर पर धन्यवाद देते हुए जन्नत ने मजाकिया अंदाज में लिखा, सेट पर सबसे बढ़िया खाना ऑर्डर करने और सबको अच्छा खाना सुनिश्चित करने के लिए थैंक यू। जन्नत ने पूरी टीम और नेटफ्लिक्स का भी आभार जताया। उन्होंने लिखा कि इससे बेहतर टीम उन्हें नहीं मिल सकती थी। अंत में जन्नत ने लिखा, 'गुड़िया' हमेशा मेरे साथ रहेगी।

प्रमोशन

अपनी आने वाली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' के प्रमोशन के लिए एक साथ नजर आईं सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और वामीका गब्बी।

शोक

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के बाद, गुरुवार को उनके पैतृक गांव कुलुप (चांदीपुर) में अंतिम दर्शन के लिए उमड़ा ग्रामीणों का हुजूम।

मेरी मम्मी मुझे 11 साल की उम्र में ही फिल्में देखने भेज देती थीं: बोमन ईरानी

मुंबई/एजेन्सी

वेटरन एक्टर और किस्सागो बोमन ईरानी ने हाल ही में सप्यारल बाउंड की कामयाबी का जश्न मनाया। ये उनका शुरू किया हुआ एक ऐसा इनिशिएटिव है जो राइटर्स को पंख देता है और कहानियों को अपनी आवाज़। आज ये सिर्फ प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि एक ऐसी कम्युनिटी बन चुका है जहां लोग खुद को एक्सप्रेस करना, कॉन्फिडेंस बनाना और स्टोरीटेलिंग के जरिए जुड़ना सीखते हैं।इस खास शाम पर माहौल तब और इमोशनल हो गया जब बोमन ने अपनी जर्नी की जड़ें शेयर कीं -एक ऐसी शुरुआत, जो बहुत सिंपल थी लेकिन बेहद गहरी, और जिसकी असली हीरो थीं उनकी मां। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मुझे 11 साल की उम्र में ही फिल्मों के बारे में वो सब पता था जो शायद उस उम्र में नहीं पता होना चाहिए! मेरी मां एक दुकानदार थीं, विधवा थीं दिनभर दुकान में मेहनत करती थीं लेकिन फिर भी ये पक्का करती थीं कि मैं फिल्में देख रहा हूं।

अपने पिता की यादों को फिल्मों से जोड़ते हुए उन्होंने बताया, वो मुझे पापा की फेवरेट फिल्मों की कहानियां सुनाती थीं 'ये तुम्हारे पापा की पसंदीदा फिल्म थी ये ठशरी थळपवु है जाओ देखो, पूरी फिल्म एक ही नजरिए से है।' मुझे नहीं पता उन्हें ये सब कैसे पता था लेकिन पता था! अपने बचपन की तस्वीर खींचते हुए उन्होंने कहा कि ग्रांट रोड पर एक नॉवेल्टी सिनेमा था वहां हमने बहुत शानदार फिल्में

देखीं। मैं तो अपनी दुकान की दीवार से कान लगाकर भी फिल्में सुनता था, क्योंकि थिएटर उससे जुड़ा हुआ था! और 11 साल की उम्र में, मैं एक 70 साल के अंकल को एश्र उळव दिखाने ले गया फिल्म चल रही थी और मैं उनके पास बैठकर हर सीन, हर मोमेंट उन्हें समझा रहा था क्योंकि फारूद अंकल देख नहीं सकते थे। यही पल उनकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बन गया। मेरी मां को ये बिल्कुल सही लगा कि 11 साल का बच्चा एक ब्लाइंड इंसान को फिल्म दिखाने ले जाए।

उस दिन उन्होंने मुझे ताकत दी और मैंने समझ लिया कि ये शर्मीला बच्चा अब शर्मीला नहीं रहेगा। एक दिन ये कहानियां सुनाएगा। उनकी ये बातें वहां मौजूद हर इंसान के दिल में उतर गईं ये याद दिलाते हुए कि स्टोरीटेलिंग सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि जुड़ने, महसूस करने और यादों को जिंदा रखने का जरिया है। सप्यारल बाउंड के जरिए बोमन ईरानी आज भी उसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं- एक ऐसी जगह बनाकर जहां कहानियां सिर्फ लिखी नहीं जातीं बल्कि जी जाती हैं। जिला पालमपुर में गढ़ियाड़ा से जगत्सा देवी, लम्बागांव से सकोशा देवी, मझैड़ा से अनीता देवी, आलमपुर षी रक्षा देवी, नगरी कल्यांड से रंजना भट्ट, नच्छीर बंडला से अर्जुन सिंह, अघेरी से बलवंत ठाकुर, कुंडेल से मीना अरनोट, तरेंहल से मोनू देवी, संसाल से जय गोपाल, बारी से अनुपमा चौधरी, अरला से तनु भारती, नोरा से सरिता राणा और सुलह से सुमन कटोच को उम्मीदवार बनाया गया है।

जिला सुंदरनगर में सराहन से नोम लता, सांवीधार से कमल सिंह ठाकुर, चुराग से शकुंतला देवी, डेहर से रोशन लाल, सलापड़ से राज कुमार, खिलड़ा से अमर राम, बासा से पद्मा देवी, नौण से टीकम सिंह, महादेव से रमा चौहान, कोट (बल्ह) से प्रेम सिंह, कोट (गोपालपुर) से सुमिता शर्मा, भांबला से कल्पना शर्मा, सरी से शीना देवी, नवाही से श्याम लाल, टिहरा से वंदना गुलेरिया और सेहर से अंजना कुमारी को उम्मीदवार घोषित किया गया है। भाजपा ने कहा कि यह विस्तृत सूची पार्टी की संगठनात्मक मजबूती, सामाजिक संतुलन और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया है कि वे एकजुट होकर सभी उम्मीदवारों को विजयी बनाएं और पंचायत स्तर तक भाजपा की विचारधारा को मजबूत करें। पार्टी नेतृत्व ने विश्वास जताया कि आगामी जिला परिषद चुनावों में भाजपा को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त होगा और प्रदेश में विकास की नई दिशा सुनिश्चित होगी।

हर वक्त फैसले लेना थका देता है : मीरा राजपूत

मुंबई/एजेन्सी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं। ऐसे में मानसिक थकान और दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। इसी विषय पर बात करते हुए मीरा राजपूत कपूर ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि महिलाओं को कभी-कभी हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी और फैसलों से दूर होकर खुद के लिए समय निकालना चाहिए, ताकि वे मानसिक रूप से हल्का महसूस कर सकें। मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने मायके में बिताए समय के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, अपने माता-पिता के घर पर रहना एक अलग तरह का सुकून देता है। मायके में मैं खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। यहां मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। वीडियो में मीरा आगे कहती हैं, काफी समय बाद मैं इस तरह खुलकर अपने मन की बात साझा कर रही हूं। जब मैं अपनी मां के घर पर थी, तब मुझे एहसास हुआ कि कुछ जगहें और रिश्ते ऐसे होते हैं, जो हमें बिना किसी शर्त के सुकून देते हैं। इस अनुभव को शब्दों में पूरी तरह बयां करना मुश्किल है।

मीरा ने कहा, महिलाओं को हर समय फैसले लेने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। दिनभर उन्हें यह तय करना होता है कि घर में क्या बनेगा, कौन कहां जाएगा, कौन सा काम पहले करना है और कौन सा बाद में। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया उन्हें मानसिक रूप से थका देती है। जब कुछ समय के लिए कोई उनसे कुछ नहीं पूछता, तो दिमाग को बहुत राहत मिलती है। उन्होंने आगे कहा, महिलाएं सिर्फ फैसले ही नहीं लेतीं, बल्कि हर दिन कई विकल्पों में से सही चुनाव भी करती हैं। यह जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है और इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ता है। जब किसी महिला को कुछ समय के लिए इन सभी फैसलों और जिम्मेदारियों से छुटकारा मिलता है, तो उसे एक अलग ही तरह की शांति और सुकून महसूस होता है। यही वह समय होता है, जब वह खुद को फिर से ऊर्जा से भर पाती है। मीरा ने महिलाओं को सलाह देते हुए कहा, समय-समय पर खुद को ब्रेक देना बहुत जरूरी है। अगर संभव हो, तो कुछ समय के लिए फोन बंद कर देना चाहिए और सिर्फ उस पल को जीने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसा करने से मन हल्का होता है और हम अपने आसपास की चीजों को ज्यादा गहराई से महसूस कर पाते हैं।

उन्होंने कहा, जीवन के छोटे-छोटे पल ही असली खुशी देते हैं। जैसे बच्चों को खेलते हुए देखना, माता-पिता के साथ बिना किसी काम के समय बिताना, उनके साथ टहलना या हंसना, ये सभी चीजें हमें अंदर से खुश करती हैं। जब हम इन पलों को बिना किसी चिंता के जीते हैं, तब हमें असली सुकून मिलता है।वीडियो के आखिर में मीरा राजपूत ने कहा, महिलाएं अपने लिए ऐसी जगह, इंसान या माहौल जरूर ढूंढें, जहां उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस न हो और जहां उन्हें फैसले लेने की जरूरत न पड़े।

पार्श्व पद्मावती तीर्थ धाम में हुआ मुनिश्री पुलकित कुमार का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कृष्णगिरि। आचार्यश्री महाश्रमणजी शिष्य डॉ मुनि पुलकित कुमारजी बेंगलूरु चातुर्मास सम्पन्न कर चेन्नई चातुर्मास के लिए पदयात्रा करते हुए पार्श्व पद्मावती तीर्थ धाम कृष्णगिरी पहुंचे। तीर्थ धाम के प्रमुख आचार्यश्री बसंत विजयानंदगिरिजी ने मुनिवर से कुशलक्षेम पूछा एवं स्वागत करते हुए कहा कि देवी मां पद्मावती की कृपा से आज आपका और हमारा मिलना हो रहा है।

उन्होंने पद्मावती देवी के अनेक रूपों की चर्चा करते हुए आगे कहा कि भक्ति से ही शक्ति जागती है। भक्ति से ही व्यक्ति का कल्याण होता है।

इस अवसर पर डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा कि पद्मावती देवी का वर्णन जैन शास्त्रों में 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ प्रभु की अधिष्ठायिका देवी के रूप में प्राप्त होता है। जिनशासन रक्षिका के रूप में माता की पहचान है। मुनिवर ने उपसर्गहर स्तोत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि जैन धर्म पर आए अनेक संकटों के बादलों को दूर करने में देवी सहायक भी रही है। वर्तमान समय में भी पद्मावती माता के अनेक चमत्कार रूपी प्रभाव जैन धर्म के श्रावक श्राविकाओं के जीवन में नजर आते हैं। मुनिश्री ने लाडनूं राजस्थान में चल रहे आचार्य महाश्रमणश्री के सान्निध्य में योगक्षेम वर्ष की जानकारी दी। इस चर्चा में डॉ मुनि पुलकित कुमार जी एवं आचार्य बसंत विजयानंद गिरि जी ने मंत्र महिमा, भक्ति साधना एवं आध्यात्मिक मंत्र रहस्यों पर विस्तार से बातचीत की। मुनि आदित्य कुमारजी ने विचार व्यक्त किया। मुनिश्री ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया। साथ में कृष्णागिरी से स्थानकासी समाज के अध्यक्ष सुनील बेताला, नगीनचंद बोथरा, नितेश, मनोज ओस्तवाल, चंदनबाला बोथरा, बेंगलूरु से उमरावदेवी पटावरी, हनी जैन, वानियमबाड़ी से महेंद्र दुगड़, दिलीप बाफना, खुशबू जैन, वीणा बाफना, नितिन जैन, तीर्थ धाम के संचालक सागरमल आबड आदि उपस्थित थे।

आचार्य हीराचंद्र का आचार्य पदारोहण दिवस प्रत्याख्यान दिवस के रुप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन में रत्नवंश के अष्ठम पट्टधर आचार्यश्री हीराचंद्रजी का 36 वां आचार्य पदारोहण दिवस दो –दो सामायिक साधना पूर्वक मनाया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने आगम वांचन करते हुए आचार्यश्री के गुणगान में कहा कि आचार्यश्री की प्रेरणा के फलस्वरुप स्वाध्याय भवन में दैनिक रुप से सामायिक स्वाध्याय चल रहा हैं । उपस्थित श्रदालुओं ने आचार्य हीरा चालीसा की सामुहिक स्तुति की। जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया ने 36 वर्षो पूर्व आज ही की तिथि पर सूर्यनगरी जोधपुर के सरदार स्कूल में सम्पन्न आचार्यश्री हीराचंद्र म.सा के आचार्य पदारोहण महोत्सव पर स्वयं प्रत्यक्ष रुप से अपने पिताश्री के साथ उपस्थित रहने को अपने जीवन की पुण्यवानी बताते हुए धर्मसभा में आचार्य पदारोहण महोत्सव का दृश्य चित्रण शब्दों के माध्यम से रखा और कहा कि आचार्यश्री हीराचंद्र ने सभी चरित्र आत्माओं के प्रति कृतज्ञ भाव रखते हुए नन्दी सूत्र में वर्णित संघ रुपी तीर्थ को वन्दन करते हुए आचार्य पद के चादर की जिम्मेदारी को स्वीकार्य किया और स्थानकवासी परम्परा के विभिन्न संघो के आचार्यों, उपाध्यायों व महापुरुषों के रत्नवंश के साथ वर्षो से चले आ रहे प्रेम,स्नेह व मधुर संबंधों का महापुरुषों के नाम सहित स्मरण किया। सभा में स्वाध्यायी दीपक योगेश श्रीश्रीमाल गौतमचंद मुणोत, इंदरचंद कर्णावट, विमलचन्द सुराणा, कमल चोरडिया ने आचार्यश्री के उपकारों के अनेक संस्मरण सुनाए व भजन के माध्यम से आचार्यश्री की स्तुति की। सभा में रुपराज सेठिया, महावीर कर्णावट, महावीरचन्द छाजेड़, पदमचन्द श्रीश्रीमाल, हितेन कोठारी, बाबू धनपतराज सुराणा, लीलमचन्द बागमार, उच्छबराज गांग सहित अनेक श्रदालुओं ने व्रत व सामूहिक प्रत्याख्यान में चार खंद के नियम किए। बाबू धनपतराज सुराणा ने मंगल पाठ सुनाया। तीर्थंकरों आचार्यों उपाध्याय भगवन्त,साध्वी प्रमुखा चरित्र आत्माओं की जयजयकार के साथ आचार्यश्री हीराचंद्रजी का आचार्य पदारोहण दिवस कार्यक्रम संपन्न हुआ।

दक्षिण रेलवे की एथलीट ई. भरनिका अंतरराष्ट्रीय पोल वॉल्ट प्रतियोगिता में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

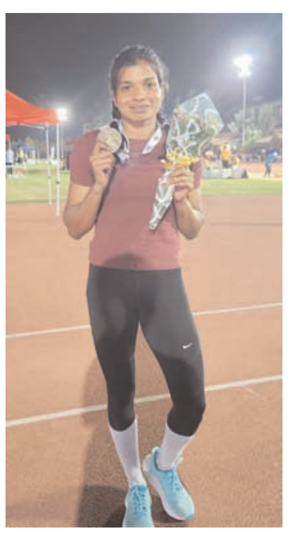

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल जगत में अपनी छाप लगातार छोड़ रहा है, जहाँ उसके एथलीट असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं। दक्षिणी रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी के कार्यालय में वरिष्ठ लिपिक और भारतीय रेलवे की एक कुशल पोल वॉल्टर ई. भरनिका को अगले सप्ताह दक्षिण कोरिया में आयोजित होने वाली आगामी अंतर्राष्ट्रीय पोल वॉल्ट प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है।

सुश्री भरनिका बेहतरीन फॉर्म में हैं, उन्होंने हाल ही में वर्ष 2026 में लगातार दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने पहली इंडोर राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4.22 मीटर की ऊँचाई पार की और फिर संयुक्त स्पर्धाओं एवं पोल वॉल्ट प्रतियोगिता में अपने प्रदर्शन को और बेहतर करते हुए 4.23 मीटर की ऊँचाई पार की, जिससे भारतीय पोल वॉल्टिंग में नए कीर्तिमान स्थापित हुए। प्रमुख प्रतियोगिताओं में उनकी निरंतर उत्कृष्टता उनके स्वर्ण पदक प्रदर्शनों में झलकती है–विशेष रूप से 64वीं ओपन राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप (2025) और 63वीं ओपन राष्ट्रीय एथेलिटिक्स चैंपियनशिप (2024) में, जहाँ उन्होंने भारतीय रेलवे का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व किया।उन्होंने 64वीं अंतर–राज्यीय राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप (2025) में 'मीट रिकॉर्ड' के साथ स्वर्ण पदक भी जीता, जिससे इस खेल विधा में उनकी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित हो गई।

अनशन

त्रोन्गलाओबी में दो बच्चों की हत्या और मई 2023 से जारी हिंसा के खिलाफ जेनिफर खैदेम का इंफाल वेस्ट में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू; न्याय की लगाई गुहार।

जहां श्रद्धा -वहां प्रेम, जहां प्रेम-वहां शांति और जहां शांति ईश्वर का वास : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के पुझल स्थित केसरवाड़ी जैन तीर्थ में आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी के सान्निध्य में आयोजित 'जीवन निर्माण शिविर' के चौथे दिन शिविरार्थी बच्चों एवं युवाओं में अपार उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ लहरा दो जिनशासन का परचम लहरा दो गीत के साथ हुआ, जिसने पूरे परिसर को भक्तिमय ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया।

आचार्यश्री ने जीवन के विकास हेतु पांच महत्वपूर्ण एफ – फन, फूड, फ्रेंड, फैशन और फाउंडेशन को स्मरण रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने विशेष रूप से फाउंडेशन अर्थात् जीवन की मजबूत नींव पर बल देते हुए स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित्र के अध्ययन का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि गीता के माध्यम से श्रीकृष्ण के उपदेशों को विश्वभर में प्रसारित कर स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति का गौरव बढ़ाया और यह सिद्ध किया कि गीता सभी धर्मग्रंथों का आधार है।

आचार्यश्री ने स्पष्ट किया कि जीवन की ऊंचाइयां उसी अनुपात में प्राप्त होती हैं, जितनी मजबूत उसकी नींव होती है। आज जहां शिक्षण की नींव सुदृढ़ है, वहीं श्रद्धा की इमारत को मजबूत करने की आवश्यकता है। रविंद्रनाथ टैगोर की साहित्यिक अभिव्यक्ति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जहां श्रद्धा है, वहां प्रेम है, जहां प्रेम है, वहां शांति है और जहां शांति है, वहां ईश्वर का वास है। उन्होंने वर्तमान समय की विडंबना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज श्रद्धा और बुद्धि के बीच संघर्ष उत्पन्न हो गया है। बुद्धि तर्क कराती है, जबकि श्रद्धा स्वीकार करना सिखाती है। जैन धर्म के सिद्धांतों को सरल उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि कंदमूल में अनंत जीवों का वास होता है, इसलिए उसका त्याग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहां श्रद्धा होती है, वहां तर्क स्वतः समाप्त हो जाता है।

देशभक्ति का भाव जागृत करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि आज हम तन से भारतीय हैं, परंतु मन से पश्चिमी विचारों के प्रभाव में हैं, क्योंकि बुद्धि श्रद्धा पर हावी हो चुकी है। उन्होंने आत्मा और शरीर के भेद को स्पष्ट करते हुए बताया कि शरीर परिवर्तनशील है, जबकि आत्मा शाश्वत एवं अविनाशी है। श्रद्धा की महिमा को शायराना अंदाज में प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा, आंखों में मुस्कान है तो इंसान तुमसे दूर नहीं, पंखों में उड़ान है तो आसमान तुमसे दूर नहीं, श्रद्धा में अगर जान है तो भगवान तुमसे दूर नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धा के अभाव में मूर्ति भी पत्थर समान प्रतीत होती है। बच्चों को सरल भाषा में समझाते हुए उन्होंने बताया कि साधु के जीवन में क्रोध, मान, माया और लोभ का अभाव होता है, इसलिए उनके वस्त्र भी सादगीपूर्ण होते हैं। 'फ्रेंड' की परिभाषा देते हुए आचार्यश्री ने कहा कि सच्चा मित्र वह होता है जो प्रेम, आनंद, आशा और समझ का प्रतीक हो। मित्र ढाल के समान होना चाहिए, जो दुःख में आगे खड़ा रहे और सुख में पीछे रहे। वहीं फन' के संदर्भ में उन्होंने कहा कि मनोरंजन सदैव निर्दोष होना चाहिए और उससे किसी को कष्ट नहीं पहुँचना चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर कई प्रतिभाशाली बच्चों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

एमआरएफ लिमिटेड द्वारा वित्तीय परिणाम जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । प्रसिद्ध टायर निर्माता कंपनी एमआरएफ लिमिटेड द्वारा 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के आंकड़ों के अनुसार कंपनी की कुल समेकित आय 31654 करोड़ रुपए है । पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में कंपनी ने इस वर्ष शुद्ध लाभ में कुल 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पिछले वर्ष का कुल राजस्व 28,570 करोड़ रुपए रहा। समाप्त हुए वर्ष के लिए समेकित कर–पूर्व लाभ 3222 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 2483 करोड़ रुपए था। वित्तीय वर्ष 2026 के लिए कर व्यय 796 करोड़ रुपए रहा जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 610 करोड़ रुपए था। कम्पनी से प्राप्त वित्तीय आंकड़ों के अनुसार कर व्यय के लिए प्रावधान करने के बाद, 31 मार्च 2026 को समाप्त हुए वर्ष के लिए समेकित शुद्ध लाभ 28,570 करोड़ रुपए रहा जबकि मार्च 2026 में राजस्व पिछले वित्तीय वर्ष के 1873 करोड़ रुपये के मुकाबले 30प्रतिशत बढ़कर 2426 करोड़ रुपये हो गया है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 10 रुपये के प्रत्येक शेयर पर 235 रुपए का लाभांश घोषित किया है, जिसमें पहले से भुगतान किए गए 3 रुपये प्रत्येक (30 प्रतिशत) के दो अंतरिम लाभांश भी शामिल हैं।

मां जन्म देती है और गुरु जीवन दान देते हैं : समणी सुगमनिधि

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी के आशीर्वाद एवं डॉ. पदमचंद्रजी की प्रेरणा से जय पार्श्व पद्मोदय जैन इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में सम्पूर्ण भारत में पाँच दिवसीय जयमल जैन संस्कार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उसी कड़ी में स्थानीय जेपीपी जैन महिला फाउंडेशनन ने मंगलवार को श्रीरामपुरम स्थित जैन समणी सेंटर में जैन संस्कार शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें समणी सुगमनिधिजी ने कहा कि जब हम अपने माता–पिता और घर के बड़े लोगों का सम्मान करते हैं और उनसे आशीर्वाद लेते हैं, तो हमारे जीवन में आगे बढ़ने (प्रगति करने) के रास्ते खुलते हैं।

बीआईएस की बड़ी कार्रवाई, छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नकली खिलौने जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मानक ब्यूरो(बीआईएस) चेन्नई शाखा कार्यालय के अधिकारियों की एक टीम ने बुधवार को चेन्नई के साहुकारपेट स्थित नारायण मुदली स्ट्रीट स्थित अंबिका स्टोर्स, महावीर एंटरप्राइजेज व भगवान काम्पलेक्स के क्षेत्रपाल इम्पेक्स प्रतिष्ठानों पर प्रवर्तन, तलाशी और ज़ब्ती अभियान चलाया गया। इन प्रतिष्ठानों में संबंधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए, बिना बीआईएस मार्क के खिलौने और संबंधित उत्पाद रखे और बेचे जा रहे थे। ये अभियान बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा 28 के प्रावधानों के तहत, चेन्नई के सी1 फ्लावर बाज़ार पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मियों की सुरक्षा में चलाए गए। ये प्रवर्तन अभियान बीएसआई को मिली शिकायतों के आधार पर चलाए गए थे।

अभियानों के दौरान बीएसआई अधिकारियों ने बच्चों के इस्तेमाल के लिए बने गुब्बारों सहित कई खिलौने पाए, जिन्हें अनिवार्य बीएसआई मानक चिह्न और वैध बीएसआई लाइसेंस संख्या के बिना रखा और बिक्री के लिए पेश किया जा रहा था। यह उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा जारी खिलौना (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश का उल्लंघन था। इन तीनों प्रतिष्ठानों पर चलाए गए तलाशी और ज़ब्ती अभियानों के दौरान, गुब्बारों के लगभग 2870 पैकेट और विभिन्न प्रकार के 3000 खिलौने ज़ब्त किए गए। ये उत्पाद खिलौना (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2020 के अनुसार अनिवार्य बीएसआई सर्टिफिकेशन के दायरे में आते हैं, जिसके तहत खिलौनों का निर्माण, आयात, भंडारण, बिक्री, बिक्री के लिए पेशकश, वितरण या प्रदर्शन बिना किसी वैध बीएसआई लाइसेंस और मानक चिह्न (बीएसआईचिह्न) के नहीं किया जा सकता है।

बीएसआई के वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख एसडी दयानंद चेन्नई शाखा कार्यालय ने बताया कि बीआईएस उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से बाजार निगरानी और प्रवर्तन गतिविधियां संचालित करता है।

उत्कृष्ट भावों से दिया सुपात्र दान तीर्थंकर नामकर्म का उपार्जन करा सकता है : डॉ. पदमचंद्रमुनि

■ आचार्य पार्श्वचंद्र के मुखारविंद से जयसंयतमुनि की बड़ी दीक्षा संपन्न

■ जयसंयतमुनि ने 5 महाव्रतों को किया धारण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सन गार्डन के तत्वावधान में गणेश बाग में आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी के सान्निध्य में आयोजित नवदीक्षित जयसंयतमुनिजी की बड़ी दीक्षा विधिपूर्वक ढंग से सम्पन्न हुई। इस दीक्षा के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने अपने ओजस्वी प्रवचन में कहा कि संसार के 84 लाख जीवनी के जन्मदिन के दुखों से मुक्ति पाने की अभिलाषा रखने वाला मुमुक्षु जब गुरु चरणों में जैन भागवती दीक्षा स्वीकार करता है, उसमें मुमुक्षु को सबसे पहले सामायिक चरित्र प्रदान किया जाता है जिसमें वह जीवन पर्यंत के लिए सावद्य योगों का त्याग कर देता है। सामायिक चारित्र मोक्ष मार्ग की साधना का अभ्यास रूप पहला चरण है।

उन्होंने दीक्षा का विवेचन करते हुए कहा कि सामायिक चरित्र ग्रहण करने के पश्चात संयमी साधक को संयमी जीवन के यौग्य समझकर जैन भागवती दीक्षा से 7 दिन से लेकर 6 महीने के भीतर साधक को उसके गुरु बड़ी दीक्षा अर्थात छेदोपस्थापनीय चरित्र के माध्यम से अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह इन पांच महाव्रत एवं रात्रि भोजन का त्याग रूप छठे व्रत का जीवन पर्यंत के लिए संकल्प कराते हैं। इसके साथ ही साधक की हर जीवनचर्या विवेकपूर्ण हो जाती है। उन्होंने मोक्ष मार्ग में दान का विशेष महत्व बताते हुए कहा कि उत्कृष्ट भावों से चरित्र आत्माओं को सुपात्र दान देने से दाता तीर्थंकर नाम कर्म का महान सौभाग्य का उपार्जन कर सकता है। उन्होंने दीक्षा के पूर्व मुमुक्षु द्वारा की जाने वाली बृहद थाल की रस्म का विवेचन करते हुए बताया कि दीक्षा के पूर्व मुमुक्षु को चरित्र आत्माओं को सुपात्र दान देने का आखिरी अवसर होता है। संतश्री ने कहा कि मुमुक्षु के परिवारजनों द्वारा दीक्षार्थी के सम्मान एवं सत्कार हेतु निर्मित आहार पानी को संयम मार्ग पर बढ़ाने वाला साधक उत्कृष्ट भावों के साथ अपने गुरु भगवंतो को समर्पित करने की भावना भाता है और ऐसी उत्कृष्ट भावना उसके आत्मा के उच्च परिणाम गुणस्थान में वृद्धि करने वाला होता है, इसलिए दीक्षा प्रदाता गुरु दीक्षार्थी के भावों की प्रकृष्टता को उन्नत करने के लिए निर्दोष आहार पानी आदि 14 प्रकार की कल्पनीय सामग्री का सुपात्र दान स्वीकार करते हैं।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी के मुखारविंद से नमस्कार महामंत्र एवं जय जाप के पश्चात जयसुबोधमुनिजी द्वारा संयम जीवन पर भावपूर्ण गीतिका से समूचा वातावरण संयम की अनुमोदना से परिपूर्ण हो गया। जयपुरंदरमुनिजी ने कर्म विज्ञान स्वाध्याय की महत्ता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। दीक्षार्थी परिवार के अशोक पुंगलिया, पायल पुंगलिया ने संयम अनुमोदना करते हुए यशस्वी संयमी जीवन की मंगलकामनाएं की। अमूल्या जैन ने गुरु भक्ति से ओत–प्रोत गीत गाया।

विल्सनगार्डन संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, मंत्री सज्जन बोहरा, संरक्षक देवीचंद बोहरा, लादुलाल ओस्तवाल, प्रकाशचंद बम्ब, संयोजक माणकचंद बोहरा आदि पदाधिकारियों ने विल्सनगार्डन संघ को बड़ी दीक्षा आयोजन का लाभ देने के लिए आचार्यश्री का आभार जताया।

विल्सनगार्डन संघ के मंत्री सज्जन बोहरा ने बताया कि इस अवसर पर समणीवृंद के साथ ही अखिल भारतीय श्वेतांबर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणकुमार गोटावत, राष्ट्रीय महामंत्री प्रकाशचंद बोहरा चेन्नई, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रेवंतमल नाहर, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाशचंद्र बोहरा, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री जेके महावीरचंद चोरड़िया, मीठालाल गुलेच्छा मैसूरु, बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष मीठालाल लोढ़ा, उपाध्यक्ष किरणचंद बोहरा, मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल, कोषाध्यक्ष गौतमचंद मकाणा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, किशनलाल कोठारी, सुनीलकुमार गादिया, उपधान आराधना समिति के संयोजक राजेन्द्रकुमार नाहर, सह संयोजक कोमलचंद धोका, गणेशबाग शिवाजीनगर के अध्यक्ष लालचंद मांडोत, मंत्री संपतराज मांडोत, श्रेयांश पारणा समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल, जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन, जयमल जैन महिला मंडल के पदाधिकारियों सहित अनेक गणमान्यजनों की उपस्थिति थी। सभा का संचालन मनोहरलाल डूंगरवाल ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.